VRINDAVAN
Books International

BASED ON
NEP/NCF

वर्णिका

हिंदी व्याकरण

Class

I To V

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

Vrindavan Books International
New Delhi

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	वर्णिका हिंदी व्याकरण – 1	3
2.	वर्णिका हिंदी व्याकरण – 2	9
3.	वर्णिका हिंदी व्याकरण – 3	18
4.	वर्णिका हिंदी व्याकरण – 4	33
5.	वर्णिका हिंदी व्याकरण – 5	49

वर्णिका हिंदी व्याकरण - I

पाठ - 1 वर्ण एवं वर्णमाला (Letter)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (द)

(ख) 1. चार, 2. स्वर, 3. वर्ण, 4. व्यंजन

खण्ड 'ख'

1. "मुख से बोली गई भाषा को लिखने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, ये ध्वनि चिह्न ही वर्ण कहलाते हैं"
2. वर्णमाला में स्वर और व्यंजन शामिल होते हैं।
3. क्ष = क् + ष
4. ज्ञ संयुक्त व्यंजन है।
5. संयुक्त व्यंजन चार होते हैं।

पाठ - 2 वर्णों का मेल (Joining of Letters)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (द), 3. (अ)

(ख) 1. न + ग + र   2. स + र + क + स

खण्ड 'ख'

1. "वर्णों का सही मेल शब्द कहलाता है।"
2. कमल = क + म + ल
3. शरबत
4. अ + ज + ग + र
5. तीन वर्णों वाले दो शब्द - पवन, नमक
   तीन वर्णों वाले दो शब्द - अदरक, पनघट

पाठ - 3 मात्राएँ (Signs)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (ब)

(ख) 1. ृ, 2. ि, 3. ो, 4. ा, 5. ौ, 6. ु, 7. े

खण्ड 'ख'

1. "स्वरों के विशेष चिह्नों को हम मात्रा कहते हैं।"
2. मात्राएँ व्यंजन पर लगाते हैं।
3. गुलाब शब्द में ल वर्ण पर आ (ा) स्वर की मात्रा लगी है।

पाठ - 4 शब्द और वाक्य (Word And Sentence)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (स), 3. (अ), 4. (स), 5. (ब)

खण्ड 'ख'

(क) 1. ''दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं।''

2. ''दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं।''

3. नमक बरगद शहर पनघट

(ख) 1. दीपावली हिन्दुओं का त्योहार है।

2. चोरी करना बुरी बात है।

3. मुस्कराना अच्छी आदत है।

4. राजू दूध पीता है।

5. आशीष आम खाता है।

6. गाय चारा खा रही है।

7. मोती टी० वी० देख रहा है।

8. मैं गाना गा रहा हूँ।

9. सीता बाजार जा रही है।

10. कृतिका नृत्य कर रही है।

पाठ - 5 संज्ञा (Noun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द)

(ख) 1. चूहे, 2. पुस्तक, 3. सर्कस, 4. गंगा, 5. कोलकाता, 6. रविवार

खण्ड 'ख'

(क) 1. संज्ञा –''किसी प्राणी, व्यक्ति, वस्तु अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं''।

2. कमल, हिमालय।

3. व्यक्ति, वस्तु, प्राणी अथवा भावों के नाम संज्ञा कहलाते हैं।

4. हरि

5. बादल

6. मोहन, सोहन और स्कूल

7. हम सभी जा रहे हैं।

पाठ - 6 वचन (Number)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (स), 3. (स), 4. (द), 5. (स)

(ख) एकवचन - लकड़ीं, बिन्दी, रात, बात

बहुवचन - कटोरियाँ, सड़कें, बिजलियाँ, छुट्टियाँ

खण्ड 'ख'

(क) 1. ''जिन संज्ञा शब्दों से किसी वस्तु या प्राणी के संख्या में एक या अनेक होने का पता चलता है उसे वचन कहते हैं''।

2. वचन दो प्रकार के होते हैं।

3. शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु का बोध हो उसे एकवचन कहते हैं तथा शब्द के जिस रूप से अनेकता का बोध हो उसे बहुवचन कहते हैं।

4. गाय, कलम

5. नदियाँ, औरतें

6. माता – माताएँ, गाय – गाएँ, पुस्तक – पुस्तकें

7. एकवचन में व्यक्ति या वस्तु की एक संख्या का बोध होना है।

7. बहुवचन में व्यक्ति या वस्तु की एक से अधिक संख्या का बोध होता है।

पाठ - 7 लिंग (Gender)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (स)

(ख) 1. पु०, 2. स्त्री०, 3. पु०, 4. पु०, 5. पु०, 6. स्त्री०

खण्ड 'ख'

(क) 1. लिंग ''जिन संख्या शब्दों से किसी के स्त्री या पुरुष होने का पता चलता है, उन्हें लिंग कहते हैं।''

2. 'राजकुमारी' शब्द स्त्रीलिंग है।

3. घोड़ा।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए –

1. हथिनी 2. चाची 3. बैल 4. घोड़ा

5. राजा 6. छात्रा

पाठ - 8 सर्वनाम (Pronoun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (अ), 3. (द), 4. (द)

(ख) वह, उसका, उन्हें, हमारा, हम, तुम्हारा, तुम, उनका

खण्ड 'ख'

(क) 1. सर्वनाम – ''जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं''

2. सर्वनाम संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं।

3. वह, मैं। 4. हम

5. 'वह अच्छा लड़का है। इस वाक्य में 'वह' सर्वनाम है।

(ख) 1. वह - वह विद्यालय जाता है।
2. तू - तू कहाँ जा रहा है।
3. मैं - मैं फुटबॉल खेलता हूँ।
4. आप - आप यहाँ बैठ जाइए।
5. उन्हें - उन्हें यहाँ आने दीजिए।
6. उसे - उसे यह पुस्तक दे दो।
7. मेरा - यह मेरा बस्ता है।
8. उसका - वह कमरा उसका है।
9. आपका - आपका घर कहाँ है?
10. कोई - वहाँ कोई आया है।

पाठ - 9 विशेषण (Adjective)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (स), 3. (द),

(ख) 1. अच्छा, 2. ठंडा, 3. लाल, 4. लम्बा, 5. तीन किलो

खण्ड 'ख'

• 1. विशेषण - "जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।"
2. विशेष्य - जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।
3. मीठा, सुंदर, तीन मीटर।
4. 'राम अच्छा छात्र है।" इस वाक्य में 'अच्छा' विशेषण है।

पाठ - 10 क्रिया (Verb)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (ब), 4. (द)

(ख) 1. बजाना, 2. हँसना, 3. नाचना, 4. कूदना, 6. पकाना

खण्ड 'ख'

• 1. क्रिया - जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उन्हें क्रिया कहते हैं।
2. 'राम खाना खाता हैं। इस वाक्य में खाता क्रिया है।
3. 'दादा जी टहल रहे हैं।' इस वाक्य में क्रिया टहल है।
4. कार्य के होने या करने को क्रिया कहते हैं।

5. 'दूध' शब्द क्रिया नहीं है।

पाठ - 11 पर्यायवाची (Synonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. (ग), 2. (घ), 3. (क), 4. (ख)

खण्ड 'ख'

- 1. पर्यायवाची – "जिन शब्दों का अर्थ समान होता है, उन शब्दों को पर्यायवाची कहा जाता है।"

2. रात्रि 3. 'सूर्य' का 4. तरू 5. 'औरत' का

पाठ - 12 विपरीतार्थक शब्द (Antonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ)

(ख) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (ग), 4. (क), 5. (ख)

खण्ड 'ख'

- 1. विपरीतार्थक – "जो शब्द एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत या उलटा अर्थ देते हैं, उन्हें विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।"

2. विपरीतार्थक शब्द को 'विलोम शब्द' नाम से जानते हैं।

3. 'रंक' शब्द 'राजा' का विलोम है।

4. 'अधिक' शब्द का विपरीतार्थक 'कम' है।

पाठ - 13 निबन्ध - लेखन (Essay - Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (अ), 4. (स), 5. (अ), 6. (अ)

खण्ड 'ख'

2. होली

1. हमारा देश त्योहारों का देश है।
2. कुछ त्योहार विशेष उल्लासपूर्ण मनाए जाते हैं;
3. जैसे- होली, दीपावली।
4. होली हमारा प्रिय त्योहार है।
5. यह फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
6. होली का शुभारम्भ बसंत पंचमी से ही हो जाता है।
7. खुले मैदान में लकड़ियों को एकत्रित किया जाता है।

8. होली पूर्णिमा की रात्रि को जलाई जाती है और अगले दिन धुलेंड़ी होती है।
9. होली रंगों और गुलाल से भरा त्योहार है।
10. सभी एक-दूसरे को रंग और गुलाब लगाते हैं।
11. मस्ती भरे लोगों की टोलियाँ नाचते गाते हुए निकलती हैं।
12. कुछ लोग कीचड़ तथा गोबर से भी होली खेलते हैं जो ठीक नहीं है।
13. होली पर लोग एक-दूसरे के गले मिलते हैं।
14. एक-दूसरे के घर जाकर लोग मिठाईयाँ तथा पकवान खाते तथा खिलाते हैं।
15. होली एकता तथा भाई चारे का त्योहार है।

3. ईद

1. ईद-उल-फितर मुसलमानों का प्रमुख त्योहार है।
2. ईद-उल-फितर को मीठी ईद भी कहा जाता है।
3. यह त्योहार रमजान के पवित्र महीने के आखिरी दिन चाँद देखने के बाद मनाया जाता है।
4. इस दिन सभी लोग मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ते हैं।
5. इस दिन सभी लोग एक-दूसरे के गले मिलकर तथा 'ईद-मुबारक' कहकर ईद की बधाई देते हैं।
6. इस दिन सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं।
7. इस दिन घरों में मीठी सेवइयाँ बनायी जाती हैं।
8. इस दिन लोग गरीबों को अनाज, कपड़े तथा अन्य सामान बाँटते हैं।
9. यह त्योहार पूरी दुनिया में बहुत हँसी-खुशी और उत्साह से मनाया जाता है।
10. ईद का त्योहार प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश देता है।

6. कम्प्यूटर

1. कंप्यूटर चार्ल्स बैबेज का आविष्कार है।
2. CPU को कंप्यूटर का मस्तिष्क कहा जाता है।
3. कंप्यूटर एक इलैक्ट्रानिक मशीन है।
4. कंप्यूटर का काम डाटा को स्टोर और प्रोसेस करना है।
5. कंप्यूटर का प्रयोग हर जगह अस्पताल, रेलवे स्टेशन, दुकानें, कंपनिया कारखाने आदि में किया जाता है।
6. दुनिया में पहले कंप्यूटर का नाम ENIAC था।
7. कंप्यूटर O तथा 1 की भाषा समझता है।
8. हम अपने डेटा को कंप्यूटर हार्ड डिस्क में सेव करते हैं।
9. कंप्यूटर का उपयोग विज्ञान के क्षेत्र में बहुत फायदेमंद साबित हुआ है।
10. आज की दुनिया में कंप्यूटर के बिना कुछ भी नहीं है।

वर्णिका हिंदी व्याकरण - II

पाठ - 1 भाषा और व्याकरण (Language And Grammar)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (स), 4. (अ), 5. (द)

(ख) 1. (ख), 2. (ग), 3. (क)

(ग) 1. छोटी, 2. लिखित, 3. भौं-भौं, 4. समझना

खण्ड 'ख'

(क) 1. भाषा को हम तीन माध्यमों से व्यक्त कर सकते हैं।

2. लिखित भाषा

3. व्याकरण के तीन भेद होते हैं। 1. वर्ण-विचार, 2. शब्द-विचार, 3 . वाक्य विचार

4. भाषा सीखने के उस ज्ञान को, जिसके द्वारा हम शुद्ध बोलते हैं, शुद्ध लिखते हैं तथा शुद्ध समझते हैं, व्याकरण कहते हैं।

5. बात को प्रकट करने के साधन को भाषा कहते है।

(ख) 1. लिखित भाषा - जब अपनी बात अथवा विचारों को दूसरों के लिए लिखकर प्रकट करते हैं। तब इसे लिखित भाषा कहते हैं।

2. मौखिक भाषा - जब अपनी बात अथवा विचारों को दूसरों के सामने बोलकर प्रकट करते हैं, तब इसे मौखिक भाषा कहते हैं।

3. सांकेतिक भाषा - जब अपनी बात अथवा विचारों को दूसरों के सामने संकेत अथव इशारा करके प्रकट करते हैं, तब इसे सांकेतिक भाषा कहते हैं।

पाठ - 2 वर्ण और वर्णमाला (Letters And Alphabet)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब)

(ख) 1. छह, 2. ध्वनि, 3. जलेबी, 4. टुकड़े, 2. स्वर, 3. व्यंजन

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (ख), 4. (ङ), 5. (क)

(घ) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. असत्य

(ङ) स्वर - अ, इ, ई,

व्यंजन - क, ग, स, ह

खण्ड 'ख'

(क) 1. यदि बात या विचार को हम लिखकर प्रकट करते हैं, तो वे ध्वनियाँ अक्षरों में बदल जाते हैं। इन अक्षरों को ही हम वर्ण कहते हैं।

2. हम कोई भी बात जब अपने मुख से कहते है तो हमारे मुख से ध्वनियाँ निकलती हैं, जिसे दूसरा व्यक्ति सुनकर समझता है उसे ध्वनि कहते हैं।

3. वर्ण दो प्रकार के होते हैं।

4. अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

5. क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह, ड़, ढ़, क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

6. कमरा

7. ग् + अ + म् + अ + ल् + आ

(ख) 1. आवाज, 2. क से ज्ञ तक वर्णों का समूह,

3. रंग, 4. कोलाहल,

5. स्वर के बाद उच्चारित होने वाला एक आनुनासिक वर्ण

पाठ - 3 मात्राएँ (Signs)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (द), 3. (स), 4. (द), 5. (स)

(ख) 1. ँ, 2. े, 3. अलग-अलग, 4. ृ, 5. उ

(ग) 1. (ग), 2. (ङ) 3. (च), 4. (छ), 5. (क),

6. (घ), 7. (ख)

खण्ड 'ख'

(क) 1. व्यंजन और स्वर को मिलाने पर स्वर का रूप बदल जाता है। स्वर के इस बदले रूप को ही मात्रा कहते हैं।

2. हिन्दी वर्णमाला में 11 मात्रा चिह्न होते हैं।

3. बबलू शब्द से ल अक्षर पर उ (ू) मात्रा लगी है।

4. आ - ा, ई - ी, ओ - ो, औ - ौ

5. इ - ि

6. उ - ु, ऊ - ू, ऋ - ृ

7. मात्राएँ स्वर की होती है।

8. ए - े, ऐ - ै

9. अ स्वर की मात्रा नहीं होती हैं।

अभ्यास प्रश्न - पत्र - I

(क) 1. (स), 2. (अ), 3. (अ), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. छोटी, 2. जलेबी, 3. ँ, 4. उ, 5. समझना

(ग) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य, 6. सत्य

पाठ - 4 शब्द तथा वाक्य (Words And Sentence)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. शब्द, 2. वाक्य, 3. विकारी, 4. अविकारी, 5. अशुद्ध वाक्य

(ग) 1. (च), 2. (ङ), 3. (क), 4. (ग), 5. (घ), 6. (ख)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. वर्णों का वह मेल जिसका कोई अर्थ हों, शब्द कहलाता है।

2. शब्दों के वे समूह जिनसे कोई बात पूरी तरह समझ में आ जाए, वाक्य कहलाते हैं।

उदाहरण - राधा गाना गाती है।

3. शब्द वह है जिसका कोई अर्थ हो और वाक्य वे समूह जिनसे कोई बात पूरी तरह समझ में आ जाए।

4. खट्टा, मीटा, कच्चा, पीना, कड़वा

5. अविकारी शब्द वे होते हैं, जिन्हें वाक्य में प्रयोग करने पर उनका अर्थ नहीं बदलता।

6. विकारी शब्द जिनका रूप वाक्यों के अनुसार बदल जाता है।

अविकारी शब्द - जिन्हें वाक्य में प्रयोग करने पर उनका अर्थ नहीं बदलता है।

7. धीरे-धीरे अविकारी शब्द है।

8. बूतकर, यलको

9. (i) सब्जी स्वच्छ है

(ii) कबूतर उड़ रहे हैं।

(iii) कोयल गाना गा रही है।

(ख) 1. अर्थवाला, 2. अर्थरहित, 3. सार्थक शब्द समूह, 4. लफ्ज

पाठ - 5 संज्ञा (Noun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. संज्ञा, 2. व्यक्ति, 3. भाव, 4. वस्तु

(ग) 1. (ख), 2. (ग), 3. (क), 4. (च), 5. (घ), 6. (ङ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी एवं स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं।

2. संज्ञा के निम्नलिखित तीन प्रकार की होती है।

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(ii) जातिवाचक संज्ञा

(iii) भाववाचक संज्ञा

3. ताजमहल

4. हाँ 'गाय' शब्द से जातिवाचक संज्ञा का बोध होता है।

5. गुण, दशा, भाव का बोध कराने वाले शब्दों में भाववाचक संज्ञा प्रयुक्त होती है।

(ख) 1. मनुष्य, 2. वंश, 3. दर, 4. ज्ञान

पाठ - 6 लिंग (Gender)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (द), 4. (द), 5. (अ)

(ख) 1. बकरा, 2. नानी, 3. बकरी, 4. माली, 5. बन्दर

(ग) 1. (ख), 2. (क), 3. (ङ), 4. (ग), 5. (घ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. जिन शब्दों से उनके पुरुष या स्त्री जाति के होने का पता चलता है उन्हें लिंग कहते हैं।

2. लिंग के दो भेद होते हैं- (i) पुल्लिंग, (ii) स्त्रीलिंग

3. जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, वे शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं।

4. जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

5. बकरा शब्द का स्त्रीलिंग बकरी है।

(ख) 1. स्त्री जाति का बोध कराने वाला लिंग,

2. पुरुष जाति, 3. आदमी 4. स्त्री जाति का प्राणी,

5. लक्षण,

पाठ - 7 वचन (Number)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (द), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. (ङ), 2. (च), 3. (ख), 4. (क), 5. (छ),

6. (घ), 7. (ग),

(ग) 1. घोड़े, 2. खिलौने, 3. माँ, 4. चटनी, 5. बहनें

खण्ड 'ख'

(क) 1. शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति या वस्तु के एक या अनेक होने का पता चलता है उसे वचन कहते हैं।

2. वचन दो प्रकार के होते हैं। (i) एकवचन, (ii) बहुवचन

3. शब्द का वह रूप जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु के एक होने का पता चलता है उसे एकवचन कहते हैं।

4. शब्द का वह रूप जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु के एक से अधिक होने का पता चलता है उसे बहुवचन कहते हैं।

5. टोपी - टोपियाँ, चूड़ी - चूड़ियाँ

(ख) 1. वाणी, 2. एक का वाचक शब्द

3. एक से अधिक बोध कराने वाला, 4. संख्या का बोध कराने वाला

5. लोहे की वस्तु बनाने वाला, 6. मिट्टी के बर्तन बनाने वाला

पाठ - 8 सर्वनाम (Pronoun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब)

(ख) 1. मैं, 2. तुम, 3. वह, 4. वे, 5. मेरा

(ग) 1. असत्य 2. असत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (घ), 2. (ख), 3. (क), 4. (ग), 5. (ङ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले ये शब्द ही सर्वनाम कहलाते है।

2. वह, वे, मै, तुम, हम

3. हम, वे, ये.... आदि बहुवचन के सर्वनाम है।

4. (i) तुम - तुम स्कूल जा रही हो, (ii) मैं - मैं पढ़ रही हूँ।
(iii) वह - वह खेल रहा है।

5. अगर किसी वाक्य में नाम हो तो वह संज्ञा है। यदि नाम की जगह वे, तुम, मैं आदि हो तो वह सर्वनाम है।

(ख) 1. कौन - वह कौन हैं?

2. मैं - मैं खाना बना रही हूँ।

3. तुम - तुम घर जा रहे हो।

4. वह - वह सो रहा है।
5. उन्हें - उन्हें कल स्कूल जाना है।
6. मुझसे - मुझसे बात कर लो।
7. मेरे लिए- मेरे लिए दो पैन ला दो।
8. उनको - उनको देर हो गई।

पाठ - 9 विशेषण (Adjective)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
(ख) 1. दैनिक, 2. संज्ञा, 3. समाज, 4. जहर, 5. ईश्वरीय
(ग) 1. (ग), 2. (क), 3. (ङ), 4. (ख), 5. (घ)
(घ) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, विशेषण कहलाते है।
2. पाँच आदमी, चार फ्रॉक, तीन रिबन, तीन मीटर कपड़ा, पाँच लड़के
3. 'चिकने पत्ते' में विशेषण चिकने है।
4. 'नीली फ्रॉक' में विशेषण नीली है।
5. जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे शब्द विशेष्य कहलाते हैं। उदाहरण - रिबन
3. मोटा आदमी में विशेष्य आदमी है।
4. 'राम ने हरी कमीज पहनी है। इस वाक्य में विशेष्य कमीज है।
5. दया - दयालु, दुःख - दुःखी, मेहनत - मेहनती

पाठ - 10 क्रिया (Verb)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (स), 4. (द), 5. (द)
(ख) 1. हँसता, 2. दौड़कर, 3. उड़ते, 4. निकलती, 5. बजाती
(ग) 1. (ग), 2. (ङ), 3. (ख), 4. (च), 5. (क), 6. (घ),
(घ) 1. दौड़ना, 4. टहलना, 7. पीना, 8. खाना, 9. जाना, 10. आना,
11. नाचना

खण्ड 'ख'

(क) 1. जिन शब्दों से किसी काम का होना या करना पाया जाए, उन्हें क्रिया कहते हैं।

उदाहरण - हिमेश गाना गा रहा है।

2. (i) महरी बर्तन धोती है।, (ii) ग्वाला दूध लाता है।,
(iii) मैं खाना बना रही हूँ।, (iv) मुन्ना पतंग उड़ाता है।
(v) दर्जी कपड़े सिलता है।

3. इस वाक्य में क्रिया - जाता है।

4. (i) रोना - बच्चे रो रहे है
(ii) लिखना - सीता लिख रही है।
(iii) दौड़ना - राम दौड़ रहा है।

5. हँसना, रोना, देखना, बातचीत करना आदि क्रियाओं को करते समय हाथ/पैर की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

पाठ - 11 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. पर्यायवाची शब्द, 2. जननी, 3. कुसुम, 4. शशि

(ग) 1. (च), 2. (घ), 3. (ङ), 4. (ख), 5. (ग), 6. (क)

खण्ड 'ख'

(क) 1. जो शब्द समान अर्थ प्रकट करते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहा जाता है।

2. राजा - नृप, नरेश
3. माँ - जननी, माता
4. पहाड़ - पर्वत, गिरि

(ख) 1. तिरंगा, 2. विकट पीड़ा, 3. भाग्य,
4. दरिद्र, 5. फूल, 6. माँ

पाठ - 12 विलोम शब्द (Antonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (च), 4. (क), 5. (ख), 6. (ग)

(ग) 1. सच, 2. निराशा, 3. मित्र, 4. हानि

खण्ड 'ख'

(क) 1. कुछ शब्द किसी शब्द से एकदम उलटे या विपरीत होते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहा जाता है।

2. नया शब्द का विलोम पुराना है।

3. (i) रात - दिन, (ii) सच - झूठ

4. कोमल

(ख) 1. दयाहीन, 2. गलत, 3. कृपण,

4. बदसूरत, 5. दुश्मन, 6. सामान्य से कम ऊँचाई वाला

पाठ - 13 निबन्ध - लेखन (Essay - Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (अ), 4. (अ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. निबन्ध का परिचय छोटे-छोटे वाक्यों में देना चाहिए।

2. स्वयं करें

3. (i) रक्षा बंधन हिन्दुओं का एक पवित्र एवं प्रमुख त्योहार है।

(ii) श्रावण मास की पूर्णिमा को रक्षाबंधन मनाया जाता है।

(iii) यह त्योहार हर साल अगस्त के महीने में पड़ता है।

(iv) रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच प्यार और अटूट रिश्ते का प्रतिक है।

(v) इस दिन सभी बहने अपने भाइयों को रक्षा सूत्र (राखी) बाँधती है।

(vi) राखी बांधने के साथ बहनें अपने भाइयों की कुशलता की कामना करती हैं।

(vii) भाई जीवन भर अपनी बहनों की रक्षा करने का वचन देता है।

(viii) रक्षाबंधन पर विभिन्न प्रकार के पकवान और मिठाइयाँ खाने को मिलती है।

(ix) राखियाँ और मिठाईयाँ की दुकानो पर लोगों की भीड़ लगी होती है।

(x) सभी धर्मों के लोग इस त्योहार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं।

4. स्वयं करें

5. स्वयं करें

6. निबंध लिखते समय शब्दों की सीमा का अवश्य ध्यान रखना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न-पत्र - IV

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ)

(ख) 1. उड़ते, 2. जननी, 3. निराशा, 4. रखवाली, 5. बजाती

(ग) 1. (च), 2. (घ), 3. (ङ), 4. (ख), 5. (ग), 6. (क)

वर्णिका हिंदी व्याकरण - III

पाठ - 1 भाषा और व्याकरण (Language And Grammar)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. हिन्दी, 2. लिखकर, 3. इशारों से, 4. बोलकर, 5. विचारों

(ग) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (घ), 2. (क), 3. (ङ) 4. (ख), 5. (च), 6. (ग)

खण्ड 'ख'

(क) 1. मातृभाषा, 2. हिंदी, 3. राजभाषा, 4. व्याकरण, 5. तीन

(ख) 1. बात को प्रकट करने के साधन को भाषा कहते हैं।

2. भाषा के तीन रूप हैं- (क) बोलकर, (ख) लिखकर, (ग) संकेत करके

3. जब हम अपनी बात अथवा विचारों को दूसरों के सामने बोलकर प्रकट करते हैं, तब इसको हम मौखिक भाषा कहते हैं।

4. जब हम अपनी बात अथवा विचारों को दूसरों के लिए लिखकर प्रकट करते हैं, तब इसको हम लिखित भाषा कहते हैं।

5. मौखिक भाषा - नेता जी भाषण दे रहे हैं।

लिखित भाषा - नेहा पत्र लिख रही है।

सांकेतिक भाषा - ट्रैफिक पुलिस इशारा करके वाहनों को रोकता है।

(ग) 1. लिखना, 2. बोलना, 3. संकेत करना, 4. शब्दानुशासन, 5. देश, राज्य

पाठ - 2 वर्ण-विचार (Phonology)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. श्र, 2. स्वर, 3. संयुक्त, 4. संयुक्ताक्षर, 5. ड़ तथा ढ़

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (घ), 2. (ग), 3. (ड़), 4. (ख), 5. (क)

खण्ड 'ख'

(क) 1. दो प्रकार के, 2. ग्यारह, 3. दो प्रकार के, 4. चक्की, 5. शब्द

(ख) 1. वर्ण, वह छोटी से छोटी ध्वनि है, जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते।

2. जो वर्ण अन्य वर्णों की सहायता से बोले जाते हैं, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

3. जो वर्ण अन्य वर्णों की सहायता के बिना बोले जाते है, स्वर कहलाते हैं। उदाहरण - अ।

4. आधे अक्षरों के साथ अथवा स्वर के बिना बोले जाने वाले वर्ण, संयुक्ताक्षर कहलाते हैं।

5. कुछ ऐसे वर्ण होते हैं, जो न तो स्वर होते हैं और न ही व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं।

उदाहरण - अं, अः।

(ग) 1. साथ मिलकर काम करने वाले,

2. स्वर तथा व्यंजन से अलग वर्ण,

3. क्रमिक, 4. आवाज,

5. अक्षर, 6. आधे अक्षरों के साथ

पाठ - 3 शब्द-विचार (Morphology)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (अ), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. योगरूढ़, 2. पीताम्बर, 3. शब्द, 4. अविकारी, 5. बदलते

(ग) रूढ़ शब्द - घोड़ा, स्नान, विद्या

योगरूढ़ शब्द - घुड़सवार, स्नानघर, विद्यालय

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. जो क्रिया की विशेषता बताते हैं।

2. चार,

3. संस्कृत भाषा से,

4. अंग्रेजी से,

5. रेलगाड़ी

(ख) 1. एक या अनेक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

2. रचना के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण - रचना या बनावट के आधार पर शब्दों के तीन भेद होते हैं। रूढ़, यौगिक, योगरूढ़

3. शब्दों के वर्गीकरण के चार आधार माने जाते हैं-

1. उद्गम का आधार, 2. रचना का आधार,

3. अर्थ का आधार, 4. प्रयोग का आधार

4. उद्गम के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं-

तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी

5. प्रयोग के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण - वाक्य में प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद होते हैं- विकारी, अविकारी।

(ग) 1. जिसका कोई अर्थ न हो,

2. जिसका कोई अर्थ हो,

3. जिनमें विकार आ जाए, जो बदल जाए,

4. जिसमें विकार न हुआ हो,

5. जुड़ा हुआ,

पाठ - 4 संज्ञा (Noun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. लाल किला, 2. दयालु, 3. प्रेम, 4. भाववाचक, 5. जाति

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (ग), 2. (ङ), 3. (क), 4. (घ), 5. (ख)

खण्ड 'ख'

(क) 1. मेरठ, 2. भाववाचक संज्ञा, 3. चार प्रकार की,

4. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 5. स्वयं कीजिए।

(ख) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव का बोध कराने वाले शब्द, संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

2. जो संज्ञा शब्द सभी जातियों के लिए प्रयोग किए जाते हैं, वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं जबकि व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के लिए बोले जाने वाले नाम व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ होती हैं।

3. गुण, भाव, दशा, दोष आदि बनाने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते है जबकि व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के लिए बोले जाने वाले नाम व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ होती हैं।

4. समूहवाचक संज्ञा - वे शब्द जो किसी समुदाय या समूह का बोध कराते हैं, समूहवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे- सेना, पुलिस, भीड़ आदि।

5. पुस्तक, गाय, भैंस, पहाड़ आदि।

पाठ - 5 लिंग (Gender)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. शेर, 2. चिड़िया, 3. चूहा, 4. पुल्लिंग, 5. राजा

(ग) 1. (ग), 2. (छ), 3. (क), 4. (च), 5. (ख),

6. (ङ), 7. (घ),

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. दो, 2. पिता, 3. स्त्रीलिंग, 4. मोरनी, 5. सन्दूकड़ी

(ख) 1. जो शब्द 'नर' (पुरुष जाति) अथवा 'मादा' (स्त्री जाति) के रूप का बोध कराता है, उसे लिंग कहते हैं।

2. पुल्लिंग - जो शब्द 'पुरूष जाति' के होने का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं; जैसे- लड़का, बैल, शेर, फूल आदि।

3. स्त्रीलिंग - जो शब्द 'स्त्री जाति' के होने का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे- लड़की, गाय, शेरनी, कलियाँ आदि।

4. लिंग के दो भेद होते हैं- पुल्लिग, स्त्रीलिंग

5. पुल्लिग में सभी नर जाति के व्यक्ति, प्राणी, वस्तुएँ, स्थान आदि आते हैं; जबकि स्त्रीलिंग में मादा जाति के व्यक्ति, प्राणी, वस्तुएँ स्थान आदि आते हैं।

(ग) 1. दुल्हन, 2. दुल्हा, 3. निशान के साथ पहचान का साधन,
4. आदमी, 5. औरत

पाठ - 6 वचन (Number)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (ब), 5. (ब)

(ख) 1. बच्चे, 2. कौआ, 3. मक्खी, 4. लड़के, 5. खिलौने

(ग) 1. (छ), 2. (च), 3. (ङ), 4. (क), 5. (ख), 6. (घ), 7. (ग)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. दो, 2. सड़के, 3. बाँह, 4. बहुवचन, 5. कमरें

(ख) 1. जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु, व्यक्ति, प्राणी अथवा स्थान के एक या एक से अधिक संख्या में होने का बोध कराता है, उसे वचन कहते हैं।

2. वचन दो प्रकार के होते हैं- एकवचन, बहुवचन

एकवचन- जिस संज्ञा शब्द से उसके एक होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे- लड़का, कुर्सी, तोता, बिल्ली आदि।

बहुवचन- जिस संज्ञा शब्द से उसके एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे- लड़के, कुर्सियाँ, तोते, बिल्लियाँ आदि।

3. एकवचन से बहुवचन बनाने के नियम तथा उनके उदाहरण इस प्रकार हैं, एकवचन के शब्द के अंत की मात्रा 'आ' (ा) को 'ए' (े) की मात्रा में बदलकर बहुवचन बनाते हैं; जैसे–

बच्चा (एकवचन)	घोड़ा (एकवचन)
बच्चे (बहुवचन)	घोड़े (बहुवचन)

एकवचन के शब्द के अंत में 'एँ' लगाकर बहुवचन बनाते हैं; जैसे–

लता (एकवचन)	बालिका (एकवचन)
लताएँ (बहुवचन)	बालिकाएँ (बहुवचन)

एकवचन के शब्द के अंत में स्वर 'ई' को 'इयाँ' में बदलकर बहुवचन बनाते हैं; जैसे–

दवाई (एकवचन)	लड़ाई (एकवचन)
दवाइयाँ (बहुवचन)	लड़ाइयाँ (बहुवचन)

4. प्राण - उसके प्राण निकल गए।
   दर्शन - श्रद्धालुओं को भगवान श्री कृष्ण के दर्शन हुए।
   आँसू - रीना के आँसू निकल गए।
   दाम - आजकल पैट्रोल के दाम बढ़ गए हैं।

(ग) 1. जानना, 2. संख्या

पाठ – 7 सर्वनाम (Pronoun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब)

(ख) 1. तुम्हारा, 2. कोई, 3. वह, 4. ये, 5. उन्हें

(ग) 1. अपना काम <u>स्वयं</u> करना चाहिए।
2. <u>आप</u> यहाँ बैठ जाइए।
3. <u>मैं</u> अपने मामा के घर जाऊँगा।
4. <u>तुम</u> कहाँ रहते हो?
5. <u>वह</u> एक अच्छा खिलाड़ी है।
6. यह कार <u>उसे</u> दे दो।
7. वह पुस्तक उसने चुराई है।
8. उनको दावत में आना होगा।

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. सरल तथा अच्छे, 2. वह, 3. उसे, 4. सर्वनाम कहते हैं।

(ख) 1. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्द या नाम सर्वनाम कहलाते हैं।

2. मैं, तुम, वह, उसे, हम

3. तुम्हें - तुम्हें क्या चाहिए?

उसे - उसे वहाँ जाना चाहिए।

4. मैं - मैं स्कूल जाती हूँ।

तुम - तुम एक विद्यार्थी हो।

वह - वह एक खिलाड़ी है।

हम - हम मैदान में खेलते हैं।

पाठ – 8 विशेषण (Adjective)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब), 5. (द)

(ख) 1. गरम, 2. वीर, 3. पके, 4. सुंदर, 5. दस

(ग) 1. (घ), 2. (ग), 3. (ख), 4. (च), 5. (छ), 6. (ज), 7. (क), 8. (ङ)

(घ) 1. असत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य,

खण्ड 'ख'

(क) 1. सैनिक, 2. आम, 3. विशेषण, 4. मोटी

(ख) 1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

2. पीला फूल, वीर सिपाही, हरा तोता, कच्चे फल

3. जिस व्यक्ति या वस्तु की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।

4. विशेषण - संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द

विशेष्य - वह शब्द जिसकी विशेषता बनाई जाती है।

5. स्वयं कीजिए।

(ग) 1. जिस व्यक्ति या वस्तु की विशेषता बताई जाती है।

2. संज्ञा की विशेषता बताने वालो शब्द।

3. खूबी, 4. साफ, स्वच्छ, 5. कड़वा, 6. प्यारा

पाठ – 9 क्रिया (Verb)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (अ)

(ख) 1. नाचना, 2. पढ़ना, 3. लिखवाना, 4. रोया, 5. चढ़ना

(ग) 1. (घ), 2. (च), 3. (ङ), 4. (ख), 5. (ग), 6. (क)

खण्ड 'ख'

(क) 1. दो, 2. निर्माण रूप, 3. खेल

(ख) 1. वे शब्द जिनसे किसी काम के करने या होने का ज्ञान होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

2. चिंकी पढ़ रही है।, खरगोश दौड़ रहा है।, रवि पानी पी रहा है।, राधा गाँव जा रही है।

3. क्रिया के दो रूप होते हैं–

1. मूल रूप (धातु) 2. निर्माण (व्युत्पन्न) रूप

उदाहरण – मूल रूप में क्रिया	निर्माण रूप में क्रिया
आ	आया, आएगा, आऊँ आदि
जा	जाता है, जाऊँगा, जाएँगे आदि
पढ़	पढ़ता है, पढ़ चुका है, पढ़ेगा आदि
पी	पीएगा, पी रहा है, पीएँगे आदि।

4. हाँ।

1. रीमा पढ़ रही है।
2. माता जी कपड़े धो रही है।
3. रवि खाना खा रहा है।
4. हिरन दौड़ रहा है।
5. लेखक पत्र लिख रहा है।

यहाँ रीमा, माताजी, रवि, हिरन तथा लेखक कर्ता हैं, वे कुछ न कुछ काम कर रहे हैं।

(ग) 1. पढ़ने योग्य, 2. सहन करने वाला, 3. दया करने योग्य,
4. किया हुआ, 5. गाल खरीदने वाला ग्राहक, 6. बेचने वाला

पाठ – 10 काल (Tense)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. जाएँगे, 2. रहा है, 3. गया था, 4. पीया, 5. रहा है

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. असत्य

(घ) 1. (ङ), 2. (च), 3. (ग), 4. (ख), 5. (क), 6. (घ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. तीन, 2. भूतकाल में, 3. काल कहते हैं, 4. कल वर्षा होगी,
5. भविष्य्काल

(ख) 1. काम (क्रिया) के करने या होने के समय को काल कहते हैं।

2. भूतकाल - जो समय पहले बीत चुका है या वह समय जिसमें काम हो गया है, भूतकाल कहलाता हैं; जैसे- राम खाना खा चुका है।

3. वर्तमान काल - जो समय अब चल रहा है या इस चल रहे समय में जो कार्य किया जा रहा हैं, वह समय वर्तमान काल कहलाता है; जैसे- बच्चे खेल रहे हैं।

4. भविष्यत् काल - जो समय आगे आएगा अर्थात् वह समय जिसमें काम होगा, वह भविष्यत् काल कहलाता है। जैसे - सोहन मुंबई जाएगा।

5. भूतकाल - जो समय बीत चुका है जबकि वर्तमान काल का मतलब है जो समय चल रहा है।

(ग) 1. आने वाला समय, 2. चल रहा समय

3. बीता हुआ समय 4. भविष्य में होने वाली

पाठ - 11 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

(ख) 1. नीर, 2. नारी, 3. निशा, 4. दिवाकर, 5. गजानन

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. असत्य

(घ) 1. (ग), 2. (च), 3. (ख), 4. (ङ), 5. (घ), 6. (क)

खण्ड 'ख'

(क) 1. समानार्थक, 2. ईश्वर, 3. हाँ, 4. सदन, 5. नभ, गगन

(ख) 1. समान अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

2. आँख - नयन, नेत्र, चक्षु, पैर - चरण, पाद, कदम,
भुजा - बाँह, बाजू, बाहु

3. पानी - नीर, जल, तोय, पृथ्वी - धरा, भूमि, तोय,
माता - माँ, जननी, मैया, सुबह - प्रातः सवेरा, भोर

4. कमल - नीरज, सरोज, जलज, रात - निशा, रात्रि, रजनी,
हवा - पवन, वायु, अनिल,
यहाँ एक शब्द के तीनों नामों के अर्थ समान हैं समान अर्थ वाले इन शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

5. स्वयं कीजिए।

(ग) 1. भगवान, 2. गगन, 3. रात्रि, 4. इंद्र, 5. बहुत बड़ा, विशाल

पाठ - 12 विलोम शब्द (Antonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. अनुचित, 2. दु:ख, 3. घृणा, 4. पुराना, 5. सुबह

(ग) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (च), 4. (छ), 5. (ज), 6. (ग), 7. (ख), 8. (क)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. विपरीत, 2. अशांति, 3. लोभी, 4. छोटा

(ख) 1. जो शब्द किसी शब्द के विपरीत अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें विपरीतार्थक अथवा विलोम शब्द कहते हैं।

2. अच्छा - बुरा, दिन - रात, परिश्रमी - आलसी, नया - पुराना, प्रकाश - अंधकार

3.

शब्द	**विलोम**
दिन	रात
सुबह	शाम
आकाश	पाताल

पर्यायवाची - दिन - दिवस, दिवा, वार

सुबह - प्रात: सवेरा, भोर

आकाश - नभ, गगन, अंबर

4.

शब्द	विलोम	वाक्य प्रयोग
रात	दिन	सूर्य दिन में निकलता है।
पास	दूर	रमेश का घर विद्यालय से दूर है।
गुरु	शिष्य	अर्जुन द्रोणाचार्य के प्रिय शिष्य थे।
प्रेम	घृणा	हमें किसी से घृणा नहीं करनी चाहिए।
पतला	मोटा	सीमा का भाई मोहन मोटा है।

5. विलोम शब्द को विपरीतार्थक शब्द के नाम से जानते हैं।

शब्द	**विलोम**
धूप	छाया
जय	पराजय
लेना	देना

नया पुराना

दूर पास

(ग) 1. दुश्मनी, 2. सच्चा, 3. बुरा, घटिया, 4. बैचेनी,
5. दान करने वाला, 6. छोटे कद का

पाठ - 13 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ)

(ख) 1. निडर, 2. आस्तिक, 3. शाकाहारी, 4. ईर्ष्यालु, 5. अध्यापक

(ग) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. असत्य

(घ) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (च), 4. (क), 5. (ख), 6. (ग)

खण्ड 'ख'

(क) 1. विद्यार्थी, 2. न्यायाधीश, 3. धनी, धनवान, 4. मृदुभाषी

(ख) 1. अपनी भाषा को सरल बनाने तथा उसको नपे-तुले शब्दों में बोलने के लिए हम अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हैं।

2. देशभक्त - जो अपने देश की सेवा करता हो।
देशभक्ति - अपने देश से प्रेम करना।

3. आस्तिक - जो ईश्वर में आस्था रखता हो।
नास्तिक - जो ईश्वर में आस्था न रखता हो।

4. मांसाहारी - जो मांस खाता हो उसे मांसाहारी कहते हैं।
शाकाहारी - जो मांस न खाता हो उसे शाकाहारी कहते हैं।

(ग) 1. कम खर्च करने वाला, 2. गाँव में रहने वाला,
3. कड़वा बोलने वाला, 4. शाम का समय,
5. सज्जन व्यक्ति, 6. आसानी से प्राप्त होने वाला

पाठ - 14 मुहावरे (Idioms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (स), 4. (ब), 5. (अ)

(ख) 1. पीठ थपथपाई, 2. हाथ बटाँती, 3. अँधे की लाठी है,
4. नौ दो ग्यारह हो गया, 5. खून-पसीना एक करना

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (घ), 2. (च), 3. (ङ), 4. (क), 5. (ख), 6. (ग)

खण्ड 'ख'

(क) 1. नींद आना, 2. मना करना, 3. बिगाड़ देना, 4. एकमात्र सहारा,

5. कपटी मित्र

(ख) 1. शब्दों का ऐसा समूह जिससे कुछ विशिष्ट अर्थ निकलता हो, उसे मुहावरा कहते हैं।

2. आँख लगना - नींद आना, आँख का तारा - बहुत प्यारा, आँख फेरना - बदल जाना।

3. स्वयं कीजिए

4. मुहावरों का प्रयोग भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए करते हैं।

5.

शब्द	**अर्थ**	**वाक्य प्रयोग**
कान भरना	चुगली करना	शकुनि अपने लाभ के लिए हमेशा पांडवों के खिलाफ दुर्योधन के कान भरता था।

(ग) 1. धोखा देने वाला, छली, 2. निंदा,
3. कपट, 4. गुस्सा,
5. सराहना, 6. चकित

पाठ - 15 शुद्ध - अशुद्ध (Correct-Incorrect)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (अ), 3. (स), 4. (ब), 5. (द)

(ख) 1. कार्य, 2. शुद्ध, 3. सूर्य, 4. करती, 5. अशुद्ध

(ग) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य, 6. असत्य

(घ) शुद्ध शब्द - शलजम, घोड़ा, मिठाइयाँ, ओम
अशुद्ध शब्द - कवीता, बदर, हाथि, दवाईयाँ, शर्प

खण्ड 'ख'

(क) 1. 'रामायण' 2. 'कुत्ता' 3. भारत, 4. चारती, 5. दीपाक

(ख) 1. हिन्दी भाषा में सही-सही लिखने तथा बोलने के लिए हम शुद्ध शब्दों का प्रयोग करते हैं।

2. स्वयं कीजिए

3. स्वयं कीजिए

4. यदि हम शुद्ध शब्दों/वाक्यों की जगह अशुद्ध शब्दों/ वाक्यों का प्रयोग करें, तो वाक्य अर्थहीन हो जाते हैं।

5.

अशुद्ध शब्द	**शुद्ध शब्द**
दिपक	दीपक
कौयल	कोयल
दवाईयाँ	दवाइयाँ

बिमारी बीमारी

अन्डा अंडा

(ग) 1. उजाला, 2. पेपर,
3. औरत, 4. प्रेस,
5. बत्तख की तरह एक पक्षी, 6. हँसना

पाठ – 16 चित्रकथा-लेखन (Picture Story Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (द), 6. (द),
7. (अ), 8. (ब), 9. (अ), 10. (अ)

(ख) जानवर, राजा होने, जानवरों को, सभा, एक, जानवर, आई वह, बहुत, उसने, देर से क्यों आई?, शक्तिशाली एक दूसरा शेर, कि मैं तुम्हें खाऊँगा, क्रोधित हुआ, चल दिया, झाँका, दूसरा शेर, और कुएँ में छलाग लगा दी, कुएँ,

(ग) स्वयं कीजिए।

पाठ – 17 पत्र-लेखन (Letter Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (अ), 3. (ब), 4. (ब), 5. (ब), 6. (स),
7. (अ), 8. (स), 9. (अ), 10. (अ)

(ख) 1. वृद्धि, 2. तीन, 3. वस्तु, 4. नाम व पता

खण्ड 'ख'

(क) 1. हम अपने रिश्तेदारों व मित्रों को कोई भी निमंत्रण या सूचना देने के लिए पत्रों लिखते हैं।

2. पत्र तीन प्रकार के होते हैं- 1. सामान्य पत्र, 2. प्रार्थना-पत्र तथा,

3. निमंत्रण-पत्र।

3. प्राधानाचार्य को

4. मोबाइल फोन की भरमार के कारण

5. डाकिया द्वारा

(ख) 1. स्वयं कीजिए।

2. दिनांक .....

पूज्य पिताजी,

सादर चरण स्पर्श!

कुशलोपरांत विदित है कि आपका पत्र मिला। परिवार की जानकारी मिल जाने पर खुशी हुई। इन दिनों मैं वार्षिक परीक्षा की तैयारी में लगा हुआ हूँ।

मुझे परीक्षा की तैयारी से संबंधित कुछ विषयों की किताबें खरीदनी हैं।

अत: आपसे निवेदन है कि आप पाँच सौ रुपये का मनीऑर्डर शीघ्र भेजने की कृपा करें।

पूज्य पिता जी को चरण स्पर्श एवं छोटी बहन मधु को बहुत-बहुत प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,

विपिन

3. सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य

मॉर्डन पब्लिक स्कूल

विषय - शुल्क माफ़ करने के संबंध में

मान्यवर महोदय,

विनम्र निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल में कक्षा छठी 'अ' का छात्र हूँ। गत वर्ष मैंने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। पिछले महीने पिता जी का आकस्मिक दुर्घटना में हाथ कट जाने के कारण मेरा परिवार आर्थिक परेशानी में आ गया है। ऐसी स्थिति में मैं विद्यालय का शुल्क भुगतान करने असमर्थ हूँ।

अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि मुझे पूर्ण शुल्क की रियायत देने की कृपा करें। इस कृपा के लिए मैं आपका जीवनभर आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

राजा

कक्षा - छठी 'अ'

दिनांक - ....

4. दिनांक ....

सेवा में

प्रबंधक

विद्यालय प्रकाशन

मेरठ

विषय - पुस्तकें मँगवाने हेतु

प्रिय महोदय,

कृपया आप अपने यहाँ से निम्नलिखित पुस्तकें मेहता ट्रांसपोर्ट द्वारा निम्न पते पर शीघ्र भेजने की कृपा करें। पुस्तक भेजते समय अच्छी तरह जाँच लें कि पुस्तकें कटी-फटी न हो एवं सभी पुस्तकें नए सत्र में प्रकाशित संस्करण की होनी चाहिए। पत्र के साथ ही मैं अग्रिम धनराशि के रूप में बीस हजार

रुपये का चैक भेज रहा हूँ। शेष राशि पुस्तकें मिलते ही अदा कर दूँगा।

1. व्याकरण ज्योति भाग - 3	60 प्रतियाँ
2. विज्ञान प्रगति भाग - 3	80 प्रतियाँ
3. सामाजिक चेतना एवं पर्यावरण अध्ययन	70 प्रतियाँ
4. ग्लोबल कंप्यूटर - 3	50 प्रतियाँ

प्रबंधक
राजाराम जू० हा० स्कूल
मोहल्ला नन्नू खाँ
गुलावठी, बुलंदशहर।

पाठ - 18 निबंध-लेखन (Essay Writing)

- 1. स्वयं करो-

2. गणतंत्र दिवस हमारे देश का राष्ट्रीय पर्व है। यह दिन हमारे लिये बहुत ही महत्व रखता है। प्रतिवर्ष इसे हम राष्ट्रीय पर्व के रूप में बड़ी धूमधाम से मनाते हैं।

वर्षा बाद हमारे देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी प्राप्त हुई थी। इस दिन भारत का शासन-सूत्र अंग्रेजों के हाथ से छूटकर भारतीयों के हाथ में आया, लेकिन हमारे देश का अपना शासन तंत्र और संविधान उस समय तक तैयार नहीं हुआ था। इसीलिए भारत का संविधान बनाने के लिए एक संविधान सभा बनाई गई जिसने दो वर्ष से भी अधिक समय तक परिश्रम करके देश के लिए संविधान बनाया। इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।

गणतंत्र दिवस की धूमधाम सारे देश में देखने को मिलती है। इस दिन पूरे राष्ट्र की सार्वजनिक छुट्टी होती है। देश की राजधानी नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और लालकिले को बड़े सुंदर तरीके से सजाया जाता है। सुबह-सुबह विजय चौक से समारोह की शुरुआत होती है। सबसे पहले राष्ट्रपति द्वारा विजय चौक पर ध्वज फहराया जाता है फिर उन्हें 31 तोपों की सलामी दी जाती है। इसके बाद वीरों को अनेक सम्मान व उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं। फिर यहाँ भव्य परेड निकाली जाती है। जिनमें तीनों सेनाओं की टुकड़ियाँ भाग लेती हैं। राष्ट्रपति तीनों टुकड़ियों का अभिवादन स्वीकार करते हैं।

देश के प्रत्येक राज्य की झाँकियाँ अपने-अपने क्षेत्र की उन्नति, कला, वैभव, प्राकृतिक सौंदर्य आदि प्रदान करता है। अंत में वायु सेना के विमान राजपथ पर गुलाब बरसाते और रंगीन गैसें छोड़ते हुए अपनी कलाओं का प्रदर्शन

करते हैं। इंडिया गेट से हजारों तिरंगे गुब्बारे आकाश की ओर उड़ते हुए बहुत ही सुंदर दिखायी देते हैं।

इस दिन गाँव-गाँव और नगर-नगर में प्रभात फेरियाँ और ध्वजारोहण होता है। विद्यालयों में सुंदर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस दिन देशभर में कवि सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

गणतंत्र दिवस हमारे इतिहास का स्वर्णिम दिन है जो हमें राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्यपालन के लिए प्रेरित करता है। इस दिन हम देश के प्रति अपनी श्रद्धा और प्रेम की भावना प्रकट करते हैं तथा स्वतंत्रता में शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

जयहिन्द

जयभारत

3. स्वयं करों।

4. आजकल सर्वत्र कंप्यूटर का बोलबाला है। कंप्यूटर आज आधुनिकता का पर्याय बन गया है। आज प्राय: सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का प्रयोग किया जाने लगा है। इसी कारण समाचार-पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं आदि कंप्यूटर संबंधी लेखों और विज्ञापनों की भरमार रहती है। 'डॉट कॉम' शब्द सभी का जाना-पहचाना बन गया है। आज बच्चे 'सी फॉर कैट' के बदले 'सी फॉर कंप्यूटर' पढ़ने लगे हैं। अत: विज्ञान की इस नवीनतम उपलब्धि ने अपने पैर चारों ओर फैला लिए हैं। विश्व के अनेक देशों की तरह भारत में भी इसका प्रयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। भारत के विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा अब एक अनिवार्य विषय बन गया है। देश के हर छोटे-बड़े नगर में कंप्यूटर प्रशिक्षण की निजी एवं सरकारी संस्थाएँ हैं।

   कंप्यूटर है क्या? कंप्यूटर मानव द्वारा निर्मित एक यंत्र है, जिसका आरंभ एक संगणक के रूप में हुआ था। मनुष्य की सूक्ष्म-से-सूक्ष्म तथा कठिन-से-कठिन गुत्थियों को सहज सुलझाने में समर्थ यह एक सहयोगी उपकरण है। कंप्यूटर की गणना सटीक और कम समय में हो जाती है। यदि कंप्यूटर को 'इलेक्ट्रॉनिक मस्तिष्क' कहें तो कोई अत्युक्ति नहीं होगी।

   कंप्यूटर का इतिहास 'एबेकस' से माना जाता है। फ्रांसीसी गणितज्ञ ब्लेज पास्कल ने 1642 ई० में कंप्यूटर की रूप-रेखा तैयार की। 1671 ई० में गोर्ट फ्राइड ने कंप्यूटर को एक नवीन दिशा प्रदान की। आधुनिक कंप्यूटर का निर्माता चार्ल्स बैबेज को माना जाता है। आजकल जिस प्रकार के जटिल कंप्यूटर का प्रयोग हो रहा है, उसके निर्माण का श्रेय अमरीका के हावर्ड एकन को जाता है। कंप्यूटर में नित नए निर्माण और सुधार हो रहे हैं।

वर्णिका हिंदी व्याकरण - IV

पाठ - 1 भाषा और व्याकरण (Language And Grammar)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (ब), 5. (द)

(ख) 1. 22, 2. व्याकरण, 3. कर्नाटक, 4. सांकेतिक, 5. जाती,
6. देवनागरी

(ग) 1. (ख), 2. (ग), 3. (घ), 4. (क)

(घ) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य,
6. सत्य, 7. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. तीन, 2. देवनागरी, 3. पंजाबी, 4. 22 , 5. व्याकरण से

(ख) 1. जब व्यक्ति बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपने भावों या विचारों का आदान-प्रदान करता है, उसे भाषा कहते है।

2. हम अपने विचार तीन प्रकार से व्यक्त कर सकते हैं-

1. बोलकर, 2. लिखकर, 3. संकेत द्वारा

इन तीनों रूपों के नाम इस प्रकार हैं- जो भाषा बोलकर व्यक्त की जाए, उसे मौखिक भाषा कहते हैं। जैसे- अध्यापक पढ़ा रहे हैं।

जो भाषा लिखकर व्यक्त की जाए, उसे लिखित भाषा कहते हैं। जैसे- राम पत्र लिखता है।

जो भाषा संकेतों से व्यक्त की जाए, उसे सांकेतिक भाषा कहते हैं। जैसे- ट्रैफिक पुलिस गाड़ी रोकने का इशारा करता है।

3. भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक दर्जा दिया है। ये निम्न प्रकार हैं- 1. असमिया, 2. बांग्ला, 3. गुजराती, 4. हिन्दी, 5. कन्नड़, 6. कश्मीरी, 7. मलयालम, 8. मराठी, 9. उड़िया, 10. पंजाबी, 11. संस्कृत, 12. सिंधी, 13. तमिल, 14. तेलुगु, 15. उर्दू, 16. कोंकणी, 17. मणिपुरी, 18. नेपाली, 19. मैथिली, 20. संथाली, 21. डोगरी, 22. बोडो

4. भाषा की लिपि : भिन्न-भिन्न भाषाओं के भिन्न-भिन्न वर्ण (अक्षर) होते हैं; जैसे- हिन्दी के अक्षर अ, क, ग, स...., अंग्रेजी के अक्षर A, B, a, c, d, ... इत्यादि। इस तरह अक्षरों की अलग-अलग बनावट लिपि कहलाती है। प्रत्येक भाषा की लिपि के भिन्न-भिन्न नाम होते हैं। जैसे-

हिन्दी भाषा की लिपि - देवनागरी,

अंग्रेजी भाषा की लिपि - रोमन,

उर्दू भाषा की लिपि - फारसी,

संस्कृत भाषा की लिपि - देवनागरी

पंजाबी भाषा की लिपि - गुरुमुखी है।

(ग) 1. लिखने का ढंग, 2. सही, ठीक, 3. पद, ओहदा,

4. संविधान संबंधी, 5. केरल की भाषा

पाठ - 2 वर्ण-विचार (Phonology)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (ब), 5. (द)

(ख) 1. म्याऊँ-म्याऊँ, 2. ञ, 3. चार, 4. स्वर, 5. ग्यारह

(ग) 1. (ग), 2. (ङ), 3. (च), 4. (ज), 5. (ञ),

6. (क), 7. (झ), 8. (छ), 9. (ख), 10. (घ),

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य,

खण्ड 'ख'

(क) 1. दो, 2. वर्ण, 3. देवनागरी, 4. दो, 5. लिपि

(ख) 1. वर्ण, भाषा की सबसे छोटी इकाई है।

2. स्वर - अ, इ, उ, ऐ, औ, व्यंजन - क, च, ज, प, त

3. च्च = कच्चा, क्क = मक्का, क्क = पक्का,

क्ख = मक्खी, ट्ट = मिट्टी, ट्ट = भट्टी,

च्च = बच्चा

4. संयुक्त व्यंजन - ये व्यंजन दो व्यंजनों के मेल से बने होते हैं, जो संख्या में चार हैं। क्षत्रिय, त्रिशूल, ज्ञानी, श्रमिक

5.

स्वर की मात्रा	+	व्यंजन	=	शब्द
आ	+	म	=	आम
ई	+	ख	=	ईख
ऊ	+	न	=	ऊन
ओ	+	स	=	ओस
ए	+	क	=	एक
औ	+	र	=	और

(ग) 1. आवाज, वर्ण, 2. स्वरों की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण

3. आधे कटे हुए व्यंजन

4. दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन

5. मजदूर, 6. अक्षर

पाठ - 3 संज्ञा (Noun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (द), 4. (ब)

(ख) 1. राम, 2. कुत्ता, 3. भीड़, 4. भाववाचक संज्ञा

(ग) 1. (ग), 2. (क), 3. (ख)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य,

खण्ड 'ख'

(क) 1. जातिवाचक - राष्ट्र, भाववाचक - बरसात

2. व्यक्तिवाचक संज्ञा,

3. भाववाचक,

4. मित्रता,

5. तीन

(ख) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान तथा भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं; - जैसे - राम, लक्ष्मण, लंका, साहस आदि।

2. संज्ञा के भेद - संज्ञा के मुख्य रूप से निम्न तीन भेद हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा

3. जातिवाचक संज्ञा - ऐसे नाम जो पूरी जाति के लिए पुकारे जाते हैं; जैसे– राम एक लड़के का नाम है। यहाँ लड़का एक जाति है।

4.
गंगा	यमुना
जयपुर	दिल्ली
हिमालय	माउंट एवरेस्ट
श्री कृष्ण	रावण

(ग) 1. व्यक्ति का बोध कराने वाला,

2. व्यक्ति, वस्तु और स्थान का भाव, धर्म, गुण आदि बताने वाला

3. जाति बताने वाला

पाठ - 4 लिंग (Gender)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (स), 5. (द)

(ख) 1. सूरज, 2. डिबिया, 3. चूहा, 4. नानाजी, 5. वह

(ग) 1. (घ), 2. (ग), 3. (च), 4. (ख), 5. (छ), 6. (ङ), 7. (क)

(घ) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. दो, 2. शेर, 3. माली, चूहा, बेटा, 4. बकरा, 5. मौसी

(ख) 1. स्त्रीलिंग में स्त्री जाति का बोध कराया जाता है जबकि पुल्लिंग में पुरुष जाति का बोध कराया जाता है।

2. पुल्लिग - जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे पुल्लिग कहलाते हैं; जैसे- राम, लक्ष्मण, अशोक, राजा, घोड़ा, घर आदि।

3. युवती, विदुषी, सेविका, चिड़िया, बेगम, माता, श्रीमति, कवयित्री

4. स्त्रीलिंग - जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे- सीता, गीता, सुमन, रानी, कोयल, बैल, कुर्सी आदि।

5. मुन्ना, कुत्ता, चूहा, डिब्बा, बेटा, बंदर, बूढ़ा, पुल, खाट, भुट्टा आदि।

(ग) 1. पुरुष, 2. स्त्री, 3. जो पुरूष जाति का बोध कराते है।
4. जो स्त्री जाति का बोध कराते हैं, 5. चिह्न

पाठ - 5 वचन (Number)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (अ), 3. (स), 4. (द), 5. (अ)

(ख) 1. कुत्ता, 2. लड़के, 3. बच्चा, 4. कुर्सी, 5. पेंसिल

(ग) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (च), 4. (छ), 5. (ग),
6. (ख), 7. (क)

(घ) 1. असत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. बहुवचन, 2. बहुवचन, 3. कुरता, 4. कमरा, 5. मैं

(ख) 1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या 'एक' होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे- केला, मुरगा, कबूतर, लड़का आदि।

2. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या 'एक से अधिक' होने का पता चलता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे- केले, लड़के, चिड़िया, कौए, कुसियाँ आदि।

3. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या 'एक से अधिक' होने का पता चलता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे- केले, लड़के, चिड़िया, कौए, कुसियाँ आदि।

4.

एकवचन	**बहुवचन**
पुस्तक	पुस्तकें
छाता	छाते

बात	बातें
रानी	रानियाँ
सड़क	सड़कें

5. **एकवचन** **बहुवचन**

सेना	सेनाएँ
माता	माताएँ
कला	कलाएँ
कन्या	कन्याएँ
कविता	कविताएँ

(ग) 1. संज्ञा के जिस रूप से संख्या का बोध हो
2. वह शब्द जिससे एक व्यक्ति का वस्तु का बोध हो
3. वह शब्द जिससे एक से अधिक व्यक्ति या वस्तु का बोध हो।
4. चित्र, प्रतिमा, 5. लोकोक्ति

पाठ - 6 कारक (Case)

खण्ड 'क'

(क)	1. (ब),	2. (स),	3. (द),	4. (अ),	5. (अ)
(ख)	1. लिए,	2. पर,	3. पर,	4. से,	5. से
(ग)	1. (ङ),	2. (घ),	3. (ख),	4. (ग),	5. (क)
(घ)	1. सत्य,	2. असत्य,	3. असत्य,	4. सत्य,	5. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. विभक्ति चिह्न है।, 2. को, 3. ने, 4. को,
5. से (अलग होना)

(ख) 1. कारक के भेद
कारक के मुख्यत: आठ भेद होते हैं। ये अग्रलिखित हैं-

क्रम	**कारक**	**विभक्ति चिह्न**
1.	कर्ता	ने
2.	कर्म	को
3.	करण	से, के द्वारा
4.	सम्प्रदान	के लिए, को
5.	अपादान	से (अलग होना)
6.	संबंध	का, की, के
7.	अधिकरण	में, पर
8.	संबोधन	हे! अरे!

2. शब्दों के मध्य संबंध बनाने वाले शब्दों/ अक्षरों को ही विभक्ति चिह्न कहते हैं। विभक्ति चिह्न - ने, को, से, के द्वारा, के लिए, से (अलग होना) का, के, की, में, पर हे! अरे!

3. पेड़ से पत्ता गिरता है।

4. संबंध कारक - का, के, की   यह रमेश की पतंग है।

सम्प्रदान कारक - के लिए, को   विजय के लिए दूध ले आओ।

(ग) 1. स्वयं कीजिए।   2. विभक्ति चिह्न   3. विभाग, बाँट

पाठ - 7 सर्वनाम (Pronoun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. मैं, 2. कुछ, 3. कोई, 4. मैं, 5. तू

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (ख), 4. (क)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. पुरुषवाचक सर्वनाम,   2. निजवाचक सर्वनाम,

3. पुरुषवाचक सर्वनाम,   4. स्वयं, अपने आप,

5. सर्वनाम,   6. हम, तुम, मैं, आप, वह

(ख) 1. बोलने वाला स्वयं के लिए प्रयोग करता है- मैं, हम, मेरा, अपना, हमें

2. बोलने वाला सुनने वाले के लिए प्रयोग करता है- तू, तुम, तुम्हारा, तेरा, तुझे, आप,

3. बोलने वाला किसी तीसरे के लिए प्रयोग करता है- वे, वह

4. जो निश्चित रूप से किसी वस्तु के लिए प्रयोग किए जाते हैं- ये, यह, वे, वह

5. जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु के बारे में नहीं बताते- कोई, कुछ

6. जब कोई प्रश्न करता है या सोचता है- कौन, क्या, किसे

7. जब सर्वनाम शब्द कोई संबंध बताते हैं- उसे, जिसे, जो, सो जिसका, उसका

2. संबंधवाचक सर्वनाम - (जैसा-वैसा, जो-सो आदि)

उदाहरण - जैसा बोओगे वैसा काटोगे।

3. सर्वनाम कई प्रकार के होते हैं;

जैसे- 1. पुरुषवाचक सर्वनाम (मैं, तुम, वह.... आदि) यह तीन प्रकार के होते हैं- (अ) उत्तम पुरुष, (ब) मध्यम पुरुष, (स) अन्य पुरुष

2. निजवाचक सर्वनाम (स्वयं, अपने आप .... आदि)

3. प्रश्नवाचक सर्वनाम (कौन, क्या .... आदि)

4. संबंधवाचक सर्वनाम (जैसा, वैसा, जो, सो .... आदि)

5. निश्चयवाचक सर्वनाम (यह, वह ..... आदि)

6. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (कुछ, किसी .... आदि)

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम (कौन, क्या आदि) उदाहरण – वहाँ कौन आया है?

(ग) 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त शब्द,

2. स्वयं का बोध कराने वाला,

3. निश्चय न होने की स्थिति,

4. संबंध को बताने वाला

पाठ – 8 विशेषण (Adjective)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)

(ख) 1. संख्या, 2. मधुर, 3. सार्वनामिक, 4. भार

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (क), 4. (ङ), 5. (ख)

(घ) 1. असत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. चार, 2. सार्वनामिक, 3. चतुर, 4. संज्ञा या सर्वनाम की

5. गुणवाचक विशेषण

(ख) 1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं; जैसे– काला, मोटा, खट्टा, तीन किलो आदि।

2. परिमाणवाचक से किसी संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित या अनिश्चित मात्रा या नाप के बारे में पता चलता है, जबकि संख्यावाचक से किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या के बारे में पता चलता है।

3. ऐसे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं, वे संख्यावचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे– दुनिया में सात अजूबे हैं। इस वाक्य में विश्व में कितने अजूबे हैं यह हमें सात शब्द से पता चलता है।

4. विशेषण के भेद–

(क) गुणवाचक विशेषण – उदाहरण – रावण **दुष्ट** राक्षस था।

(ख) परिमाणवाचक विशेषण – उदाहरण – रवि के पास **दो सौ ग्राम** मेवा हैं।

(ग) संख्यावाचक विशेषण – उदाहरण – सोहन के पास दो साइकिल हैं।

(घ) संकेतवाचक विशेषण - उदाहरण - यह रीना की गुड़िया है।

(ङ) व्यक्तिवाचक विशेषण - उदाहरण - जयपुरी साड़ियाँ विश्वभर में प्रसिद्ध हैं।

4. वे विशेषण शब्द जिनके द्वारा संज्ञा या सर्वनाम के गुणों का बोध होता है, गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं, जबकि वे विशेषण शब्द जिनके द्वारा संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की ओर संकेत किया जाता है, संकेतवाचक विशेषण कहलाते हैं।

(ग) 1. विशेष होने का भाव,

2. नाप, तौल की दृष्टि से वस्तु की लम्बाई, चौड़ाई आदि

3. विशेषण द्वारा सूचित किया जाने वाला पद,

4. इशारा, निशानी

पाठ - 9 क्रिया (Verb)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)

(ख) 1. खाना, 2. पीना, 3. जाना, 4. बजाना, 5. नहाना

(ग) 1. (ख), 2. (घ), 3. (क), 4. (ग)

(घ) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. दो, 2. कर्ता, 3. प्रेरणार्थक क्रिया, 4. सोना

(ख) 1. जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का ज्ञान होता है, उन शब्दों को हम क्रिया कहते हैं; जैसे- मिट्टी खोदना, स्कूल जाना आदि।

2. जिन क्रियाओं में कर्म होता है, वे सकर्मक क्रियाएँ होती है। जैसे- रमा कपड़े धोती है।

3. जिन क्रियाओं में कर्म नहीं होता, वे अकर्मक क्रियाएँ होती हैं। जैसे- रमा हँसती है।

4. क्रिया के भेद

क्रिया प्राय: दो प्रकार की होती हैं-

1. सकर्मक (जिसमें कर्म हो) तथा 2. अकर्मक (जिसमें कर्म न हो)

(ग) 1. काम करने वाला, 2. काम करना, 3. काम

पाठ - 10 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (द), 4. (ब), 5. (ब)

(ख) 1. छात्रों, 2. दयालु, 3. पुस्तकालय, 4. निशा, 5. समानार्थक

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (च), 4. (ङ), 5. (ख), 6. (क)

(घ) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य, 6. असत्य, 7. असत्य,

खण्ड 'ख'

(क) 1. समानार्थक शब्द, 2. औरत, 3. धरा

(ख) 1. ऐसे शब्द, जिनको कई-कई नामों से पुकारा जा सकता है तथा उन नामों के अर्थ समान होते हैं, समानार्थक शब्द या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। जैसे- फूल, पुष्प, कुसुम, सुमन आदि।

2. रात - रात्रि, निशा, रजनी,
बादल - मेघ, जलधर, घन
कमल - पंकज, नीरज, पुष्कर

3. समानार्थक

(ग) 1. कमल, 2. राजा, 3. आग, 4. पेड़ 5. नदी, 6. बादल

पाठ - 11 विलोम शब्द (Antonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब)

(ख) 1. हानि, 2. सच, 3. निराशा, 4. दुःख, 5. व्यय

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (ङ), 4. (च), 5. (ख), 6. (क)

(घ) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. विपरीतार्थक, 2. अनुचित, 3. सदाचार

(ख) 1. विपरीत या उल्टा अर्थ बताने वाले शब्दों को विपरीतार्थक अथवा विलोम शब्द कहते हैं। जैसे- मोटा-पतला आदि।

2.

शब्द	**विलोम**
यश	अपयश
विदेशी	स्वदेशी
स्वीकार	अस्वीकार
गरम	ठंडा
हित	अहित
दिन	रात
थोड़ा	बहुत
डर	निडर

(ग) 1. तिरस्कार, निरादार, 2. पास हुआ, 3. कड़वा, तीक्ष्ण,
4. नफरत, 5. सुधा रस, 6. आस्था

पाठ - 12 अनेकार्थक शब्द (Words With Various Meaning)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (स), 3. (अ), 4. (स), 5. (स)

(ख) 1. आम, 2. आम, 3. कल, 4. कल, 5. रस, 6. मधु

(ग) 1. (ग), 2. (क), 3. (ख), 4. (ङ), 5. (च), 6. (घ)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. अनेकार्थक शब्द, 2. गिनती वाली संख्या, 3. एक फूल,
4. बड़ा, 5. कनक

(ख) 1. अनेकार्थक का मतलब है 'अनेक अर्थ वाला' अर्थात् वह शब्द जिसके कई-कई (अनेक) अर्थ होते हों; जैसे- अंक के दो अर्थ हैं- 1. गिनती वाली संख्या, 2. नाटक का एक एपिसोड

2.

	पहला अर्थ	दूसरा अर्थ
अकड़नस	कड़ा होना	घमंड करना
अवस्था	उम्र	दशा
आज्ञा	अनुमति	आदेश
आराम	विश्राम	राहत
उत्तर	प्रश्न का उत्तर	दिशा का नाम

3. कनक - सोना - हार सोने का बना था।
धतूरा - भोले शंकर भाग धतूरा खाते हैं।
अंबर - आकाश - रात में आकाश में तारे चमकते हैं।
वस्त्र - रेशमी अंबर बहुत सुंदर दिखते हैं।

(ग) 1. आराम, 2. हालत, दशा
3. घमंड करना, कड़ा होना, 4. टहनी,
5. शिक्षक, 6. धन-सम्पत्ति

पाठ - 13 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. सेवक, 2. न्यायालय, 3. मन्दबुद्धि, 4. दत्तक, 5. मितभाषी,
6. कृतघ्न, 7. परीक्षार्थी

(ग) 1. (ङ), 2. (ग), 3. (क), 4. (ख), 5. (घ)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य,

खण्ड 'ख'

(क) 1. जो दान करता हो- दानी, 2. साक्षर,
3. अज्ञेय 4. पठनीय

(ख) 1. अपनी भाषा को सरल, संक्षिप्त तथा प्रवाहपूर्ण बनाने के लिए हम 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हैं।

2. जो सेवा करता हो - सेवक
जो पुराने जमाने का हो - प्राचीन
विश्वास करने योग्य - विश्वसनीय
साथ रहने वाला - साथी
जहाँ न्याय होता हो - न्यायालय

(ग) 1. जो मांस खाता हो, 2. जल में रहने वाले प्राणी
3. सत्यवादी, 4. मेहनती
5. विश्वसनीय, 6. सच बोलने वाला
7. ईश्वर में विश्वास करने वाला, 8. सरल,
9. जहाँ पहुँचना कठिन हो

पाठ - 14 शुद्ध और अशुद्ध (Correct and Incorrect)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. में, 2. को, 3. पर, 4. में, 5. में

(ग) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. असत्य

(घ) 1. (छ), 2. (ज), 3. (ङ), 4. (च), 5. (क), 6. (ख),
7. (ग), 8. (घ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. शुद्ध शब्द, 2. अशुद्ध शब्द, 3. नहीं

(ख) 1. गोरव गौरव
वेज्ञानिक वैज्ञानिक
गुमबद गुंबद
पहिला पहला
कठीनाई कठिनाई
2. तिथी तिथि

प्रीय	प्रिय
समाजिक	सामाजिक
भाषाऐं	भाषाएँ
प्रतिक्षा	प्रतीक्षा

3. (i) वह बाजार जा रहा है।

(ii) हम स्कूल जाएँगे।

(iii) आज बहुत तेज बरसात हो रही है।

(ग) 1. कर्ज, 2. समाज से संबंधित,

3. मार्ग दर्शन, 4. विज्ञान संबंधी,

5. पंडित, 6. मुसीबत

पाठ - 15 मुहावरे (Idioms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (ब), 3. (स), 4. (द)

(ख) 1. डीगें, 2. अंधे की लाठी, 3. कान भरना,

4. कलेजा फट गया

(ग) 1. (ङ), 2. (ग), 3. (क), 4. (ख), 5. (घ)

(घ) 1. असत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. मुहावरे का अर्थ है 'एक विशिष्ट अर्थ वाला वाक्यांश।'

2. अच्छा समय आना,

3. मुहावरा

(ख) 1. मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग करने से वाक्य की सुंदरता बढ़ जाती है। जब मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग करते हैं तो क्रिया को लिंग, वचन तथा काल के अनुसार बदला जा सकता है–

जैसे- 1. अपने साथियों की तरक्की से रीता जल-भुन गयी।

2. अपने साथियों की तरक्की से मोहन जल-भुन गया।

3. अपने साथियों की तरक्की, से वे जल-भुन गए।

4. उपरोक्त वाक्यों में रीता, मोहन तथा वे के आने से गयी, गया, गए आदि परिवर्तन हुआ।

2. मुहावरा एक ऐसा वाक्यांश होता है, जिसका अर्थ विशिष्ट होता है अर्थात् मुहावरे का अर्थ शब्द के अनुसार न होकर कुछ अलग प्रकार का (विशेष) होता है।

3. चट कर जाना – सब कुछ खा-पी जाना – बिल्ली घर का सारा दूध चट कर गई।

चूक जाना – अवसर निकल जाना – रमेश गाड़ी पकड़ने से चूक गया।

तलवे चाटना – चापलूसी करना – केशव अपने मैनेजर के तलवे चाटता रहता है।

दंग रह जाना – अचंभे में पड़ जाना – मैं तो ऐसी बात सुनकर दंग रह गया।

नौ दो ग्यारह होना – भाग जाना – बिल्ली को देखकर चूहा नौ दो ग्यारह हो गया।

(ग) 1. दया आना, 2. हार मानकर भाग जाना,
3. होश में आना, 4. कड़ी मेहनत करना,
5. धोखे में आ जाना, 6. गुस्सा आना

पाठ – 16 लोकोक्तियाँ (Proverbs)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (ब)

(ख) 1. कोतवाल को 2. गंगू, 3. नैनसुख, 4. अदरक, 5. गुठलियों

(ग) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (क), 4. (ख), 5. (ग)

(घ) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. 'चोर की दाढ़ी में तिनका'
2. 'अपनी बड़ाई अपने आप करना'
3. 'काली गाय सफेद बछड़ा'
4. जिसकी लाठी उसकी भैंस,
5. चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात

(ख) 1. घर की मुर्गी दाल बराबर – घर की अच्छी वस्तु की भी कद्र ना होना

वाक्य प्रयोग – मधु ने बहुत अच्छा खाना बनाया लेकिन घर में उसे प्रशंसा नही मिली पर जब पड़ोसियों ने वही खाना खाया तो वाह वाही मिली, इसे कहते है घर की मुर्गी दाल बराबर।

2. ऊँट के मुँह में जीरा – बहुत कम मात्रा में कोई वस्तु देना

वाक्य प्रयोग – बीस साल के बच्चे को खाने में दो रोटी दोगे तो वह भूखा नहीं रह जाएगा भला? इसे कहते है ऊँट के मुँह में जीरा

3. कर सेवा खा मेवा (बड़ों की सेवा से उत्तम फल मिलता है)–
   राकेश अपने माता–पिता की हर समय सेवा करता रहता है इसीलिए उसको वे अपनी पेंशन का धन हर महीने देते रहते हैं। यानि ''कर सेवा खा मेवा।''
4. कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली (बहुत अंतर होना)–
   हरीश, अंबानी की नकल मत करो, छोटी–मोटी दुकान ही चला लो– ''कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली।''
5. आम के आम गुठलियों के दाम (दुगुना लाभ)–
   मोहन पेपर पढ़कर रद्दी इकट्ठी करके बेच देता है। वह तो ''आम के आम गुठलियों के दाम लेता है।''

(ग) 1. पुलिस अधिकारी, 2. सूखी घास का टुकड़ा,
3. चाँद की रोशनी, 4. मीठा

पाठ – 17 कहानी-लेखन (Story Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)

खण्ड 'ख'

(क) 1. कुत्ते को, 2. शिकारी ने, 3. तराजू के पलड़ों में,
4. खा गया, 5. रोटी पर, 6. नदी में,
7. हमें आपस में झगड़ना नहीं चाहिए, अन्यथा दूसरे लोग हमारे झगड़े का फायदा उठा सकते हैं।

(ख) 1. स्वयं करों–

पाठ – 18 पत्र-लेखन (Letter Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) स्वयं कीजिए।

खण्ड 'ख'

- 1. स्वयं कीजिए।
- 2. अवकाश हेतु प्रार्थना–पत्र

सेवा में,

प्रधानाचार्य,

शहीद भगत सिंह स्कूल,

लखनऊ

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मुझे अपने पिताजी के साथ दो दिन के लिए दिल्ली जाना पड़ रहा है इसलिए मैं स्कूल आने में असमर्थ हूँ। कृपया मुझे तीन दिन (दिनांक ------- से ------- तक) का अवकाश प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

नवीन

कक्षा - चौथी 'अ'

दिनांक -

पाठ - 19 निबंध लेखन (Essay Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (द), 4. (स), 5. (ब)

खण्ड 'ख'

(क) 1. हिन्दुओं का, 2. राम ने

3. 15 अगस्त 4. बैसाख- ज्येष्ठ में

5. साँपों का 6. नीले तथा सुनहरे

7. जून

(ख) 3. **विज्ञान के चमत्कार**

आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान ने अनेक चमत्कारिक आविष्कार किये हैं। विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि मनुष्य के जीवन में उत्साह भर दिया है। मनुष्य के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन कर दिए हैं। विज्ञान के चमत्कारों ने संसार की दूरियाँ ही समाप्त कर दी हैं। पर्वतों का सीना चीरकर सुरंगे बनाना; एक नदी से दूसरी नदी को मिलाना; नदियों की दशा बदल देना; कितना सुलभ हो गया है तथा स्थानों की दूरी मिटाने के लिए यातायात के साधनों में रेलगाड़ी, वायुयान, समुद्री जहाज, कार, मोटर, बस आदि उपलब्ध कराए हैं तथा हमें घर बैठे ही मनोरंजन की सुविधाएँ; जैसे- तार, टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट, टी, वी, रेडियों आदि उपलब्ध कराये हैं, ये सब विज्ञान के ही चमत्कार हैं।

विज्ञान के चमत्कार ही हैं कि आज जैट विमान बन गए हैं, मनुष्य ने धरती और आकाश दोनों को नाप लिया है। हजारों मील की दूरी पलक झपकते ही तय हो सकती है। यही नहीं पानी के नीचे के जगत को भी हम समझ गये हैं। विज्ञान ने समुद्री जीवन के हर रहस्य को ढूँढ़ निकाला है। आज धरती पर बैठे-बैठे चाँद-सितारों व सागर तल के चित्र खींचे जा सकते हैं।

कम्प्यूटर, विज्ञान की सबसे अद्‌भुत देन है। इसका प्रयोग सर्वत्र हो रहा है। इससे बड़ी-बड़ी संख्याओं के योग, गुणा, भाग, वर्गीकरण तथा अनेक कार्य सहज किए जा सकते हैं मशीन, कपड़े, खिलौने, औजार, खेती, चिकित्सा आदि हर क्षेत्र में इसका योगदान है।

चिकित्सा के क्षेत्र में भी विज्ञान ने आश्चर्यजनक परिवर्तन किए हैं। आज विज्ञान की सहायता से हर रोग का निदान हो गया है एवं रोगी के लिए दवाएँ उपलब्ध करायी हैं। मनुष्य के सभी भागों; यथा-हृदय, गुर्दे, आँख आदि को भी बदला जा सकता है।

आज हमारी घरेलू जिंदगी में विज्ञान ने बहुत सहारा दिया है; जैसे- पानी गरम करना, बिजली के विभिन्न उपकरण सभी कामों को स्वयं कर देते हैं; जैसे- मसाले-दाल पीसना, कपड़े धोना आदि।

इन चमत्कारों के अतिरिक्त विज्ञान ने युद्‌ध के विज्ञान साधन; जैसे- टैंक, बमवर्षक विमान, अणुबम, विषैली गैसें, मिसाइलें आदि भी बना ली हैं। विज्ञान की इस विनाशकारी शक्ति का हमें प्रयोग नहीं करना चाहिए।

विज्ञान को मानव-कल्याणकारी रूप अपनाकर इसके चमत्कारों की बहुत प्रशंसा करनी चाहिए। विज्ञान ने आज मनुष्य का जीवन उत्साह से भर दिया है।

वर्णिका हिंदी व्याकरण - V

पाठ – 1 भाषा और व्याकरण (Language And Grammar)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब) 5. (द)

(ख) 1. तीन प्रकार, 2. लिपि, 3. हरियाणवी, 4. देवनागरी,
5. बोली

(ग) 1. (ख), 2. (ग), 3. (ङ), 4. (घ), 5. (क)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों का आदान-प्रदान करता है।

2. क्षेत्रीय रूप में पाई जाने वाली भाषा बोली कहलाती है।

3. हिन्दी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

4. अंग्रेजी रोमन लिपि में लिखी जाती है।

5. व्याकरण के तीन अंग होते हैं।

(ख) 1. अपने मन की बात या विचारों को दूसरों के लिए बोलकर, लिखकर या संकेत द्वारा प्रकट करने के तरीके को हम भाषा कहते हैं।

2. मौखिक भाषा - जब हम अपने की बात या विचार दूसरों के सामने बोलकर (कहकर) करते है तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।

3. जब हम अपने मन की बात या विचार दूसरों के लिए लिखकर (पत्र या अन्य प्रपत्र) द्वारा प्रकट करते है या कोई कार्य लिखकर करते हैं, तो उसे लिखित भाषा कहते हैं।

4. भाषा मुख्यत: तीन प्रकार होते हैं- 1. मौखिक भाषा, 2. लिखित भाषा, 3. सांकेतिक भाषा।

5. भारतीय भाषाओं के नाम - हिन्दी, मराठी, गुजराती, बंगली

(ग) 1. मौखिक - (मुख संबंधी), (बोला जानेवाला)

2. सांकेतिक - संकेत संबंधी

3. लिखित - लिखना

4. लिपि - लिखने की क्रिया

5. भाव - मन में उत्पन्न होने वाला विचार

6. माध्यम - मध्य का, बीच का

पाठ - 2 वर्ण-विचार (Phonology)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. दीर्घ स्वर, 2. श, ष, स, 3. न्न, 4. क्ष, श्र, 5. ह्रस्व

(ग) 1. (ख), 2. (घ), 3. (ङ), 4. (क), 5. (ग)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. वर्ण दो प्रकार के होते हैं- 1. स्वर, 2. व्यंजन

2. स्पर्श व्यंजन - स्पर्श का अर्थ है 'छूना'। जिन व्यंजनों को बोलते समय जीभ मुख के विभिन्न स्थानों का स्पर्श करती है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहा जाता है।

3. अंतस्थ व्यंजन - अंत:स्थ का अर्थ है- 'अंदर या बीच में स्थित' जिन व्यंजनों को बोलते समय जीभ मुख के किसी भाग को पूरी तरह स्पर्श नहीं करती, उन्हें अंत:स्थ कहते हैं।

4. ऊष्म व्यंजन: ऊष्म का अर्थ है- 'गर्म'। इन व्यंजनों को बोलते समय हवा की तेज गति में मुख से रगड़ खाने के कारण ऊष्मा (गर्मी) पैदा होती है इसलिए, इन्हें ऊष्म व्यंजन कहते है।

5. चंद्रबिन्दु को अनुनासिक कहा जाता है। इसमें स्वरों का उच्चारण नाम और मुँह दोनों से किया जाता है; जैसे- हँस, ऊँट, आँख

(ख) 1. जब हम मुख से कुछ बोलते हैं तो विभिन्न प्रकार की ध्वनियाँ निकलती है ये ध्वनियाँ ही लिखित रूप में वर्ण कहलाती है।

2. प्रत्येक वर्ण को बोलते समय हमारे मुख से वायु निकलती है जिन वर्णों को बोलने में वायु मार्ग से कोई रूकावट नहीं होती, उन वर्णों को स्वर कहते हैं। इन्हें बोलने में दूसरे वर्णों की सहायता नहीं लेनी पढ़ती। ये दो प्रकार के होते हैं 1. ह्रस्व स्वर, 2. दीर्घ स्वर।

3. जिन वर्णों को बोलते समय मुख से निकलने वाली वायु के मार्ग में रूकावट पड़ती है, ऐसे वर्ण स्वर-ध्वनि की सहायता से बोले जाते हैं। ये वर्ण व्यंजन कहलाती है।

4. स्पर्श व्यंजन की पाँच वर्गों में बाँटा गया है-

1. क वग - क, ख, ग, घ, ङ (कंठ)

2. च वर्ग - च, छ, ज, झ, ञ (तालु)

3. ट वर्ग - ट, ठ, ड, ढ, ण (मूर्धा)

4. त वर्ग - त, थ, द, ध, न (दंत)

5. प वर्ग - प, फ, ब, भ, म (ओष्ठ)

5. व्यंजनों को मुख्य रूप से तीन भागों में बाँटा गया है-

1. स्पर्श व्यंजन, 2. अंत:स्थ व्यंजन, 3. ऊष्म व्यंजन

पाठ - 3 संज्ञा (Noun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (द), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)

(ख) 1. खुशी, 2. जातिवाचक, 3. समूहवाचक, 4. भाववाचक 5. भारत

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (ङ), 4. (च), 5. (ख) 6. (क)

(घ) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. संज्ञा के चार भेद होते हैं।

2. समुदायवाचक संज्ञा का एक उदाहरण— सड़क पर भीड़ हो रही है।

3. भाववाचक संज्ञा का एक उदाहरण— क्रोध मत करो।

4. जिस शब्द से किसी पदार्थ का बोध हो उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

5. जातिवाचक संज्ञा का एक उदाहरण जैसे— पशु घास खा रहे हैं।

(ख) 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान या भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।

2. व्यक्तिवाचक संज्ञा—किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाती है।

3. भाववाचक संज्ञा— गुण, भाव, दशा, दोष आदि बताने वाले शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। इनको केवल महसूस किया जा सकता है। जैसे—खुशी, गम, जवानी।

4. जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाना

(जातिवाचक संज्ञा)	**(भाववाचक संज्ञा)**
दुश्मन	दुश्मनी
शत्रु	शत्रुता
जवान	जवानी
मित्र	मित्रता

(ग) इन शब्दों के अर्थ लिखिए—

1. समूह — समुदाय (जन समूह)

2. जाति — वंश, कुल

3. व्यक्ति — मनुष्य

4. भाव — दर, मूल्य

पाठ - 4 लिंग (Gender)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (अ), 4. (स)

(ख) 1. दादा जी, 2. घोड़ा, 3. चिड़िया, 4. चूहा
5. राजा

(ग) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (च), 4. (छ), 5. (ज)
6. (ग), 7. (ख), 8. (क)

(घ) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. गाय शब्द का पुल्लिंग रूप 'बैल' होता है।

2. लिंग के दो भेद होते हैं।

3. 'धावक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप 'धाविका' होता है।

4. 'पालिका' शब्द का पुल्लिंग रूप 'पालक' होता है।

5. पुल्लिंग शब्द का उदाहरण जैसे— यह मेरा दोस्त रमेश है।

(ख) 1. जिन शब्दों या नामों से किसी के नर या मादा होने की जानकारी मिलती है, उनकों लिंग कहते है।

2. लिंग के दो भेद होते हैं— 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

1. पुल्लिंग— जो शब्द पुरूष जाति का बोध कराते है उन्हें पुल्लिग कहते है- जैसे- राम, दादा, शेर, कौआ आदि।
2. स्त्रीलिंग— जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते है उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं- जैसे सीता, दीदी, शेरनी कोयल आदि।
3. पुल्लिग— जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं उन्हें पुल्लिग कहते हैं। जैसे- राजा, दादा, शेर, घोड़ा आदि।
4. स्त्रीलिंग की परिभाषा - जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते है उन्हें स्त्रीलिंग कहते है। जैसे- सीता, दीदी, शेरनी।

4. स्त्रीलिंग व पुल्लिग के उदाहरण -

पुल्लिग	**स्त्रीलिंग**
बेटा	बेटी
घोड़ा	घोड़ी

लड़का लड़की

नाना नानी

(ग) 1. पालिका — पालन करने वाली स्त्री

2. पुल्लिग — पुरुष जाति का बोध कराने वाला लिंग

3. स्त्रीलिंग — स्त्रीजाति का बोध कराने वाला लिंग

4. धावक — दौड़ने वाला

5. गायक — गानेवाला (गवैया)

6. गायिका — गाने वाली स्त्री

पाठ - 5 वचन (Number)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ),

(ख) 1. लड़कियाँ, 2. लड़को ने, 3. कुत्ते ने, 4. कुत्ते,

5. मक्खियाँ

(ग) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (क), 4. (ख), 5. (ग)

(घ) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. वचन के दो भेद होते है।

2. 'पुस्तकें और कहानियाँ' शब्दों के एकवचन रूप 'पुस्तक, और कहानी'।

3. 'विद्यार्थी' शब्द का बहुवचन - 'विद्यार्थीगण'।

4. 'तरकारियाँ' शब्द का एकवचन 'तरकारी' होता है।

(ख) 1. संज्ञा शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति या वस्तु के एक या अधिक होने का बोध होता है। उसे वचन कहते हैं।

2. संज्ञा शब्द के जिस रूप से उनके संख्या में एक से अधिक होने की जानकारी मिलती है उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे- डिब्बे, साइकिलें, लड़के आदि।)

3. संज्ञा के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते है।

4. बहुवचन में प्रयोग किये जाने वाले वाक्य- 1. लड़कियाँ पढ़ रही है, 2. लड़के इमरती खा रहे हैं। 3. मछलियाँ तैर रही हैं। 4. कुत्ते रीटियाँ खा रहे है।

5. मक्खियाँ भिनभिना रही हैं।

(ग) 1. संख्या — गिनती

2. एकवचन — किसी वस्तु के एक होने का बोध हो (एकवचन)

3. बहुवचन — किसी वस्तु के अनेक होने का बोध हो (बहुवचन)

4. वचन — वाणी

पाठ - 6 कारक (Case)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब),	2. (अ),	3. (ब),	4. (ब),	5. (स)
(ख) 1. से,	2. पर,	3. में,	4. शाबास!,	5. लिए
(ग) 1. (ङ),	2. (घ),	3. (ख),	4. (ग),	5. (क)
(घ) 1. असत्य,	2. सत्य,	3. असत्य,	4. सत्य,	5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से बुलाने या पुकारने का बोध हो, उसे संबोधन कारक कहते है।

2. जिस साधन से क्रिया हो उसे करण कारक कहते हैं।

3. कारक के आठ चिह्न होते हैं।

4. जिस साधन से क्रिया हो, उसे करण कारक कहते है।

5. जो चिह्न वाक्य का अन्य शब्दों से संबंध बताते है, उन्हें संबंध कारक कहते हैं।

(ख) 1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में आए अन्य शब्दों से जाना जाए, उसे कारक कहते है।

2. जिस वस्तु या व्यक्ति पर क्रिया का सीधा प्रभाव पड़े, उसे कर्म कारक कहते है- जैसे - 1. बन्दर फल तोड़ रहा है। 2. चिंकी किताब पढ़ रही है।

3. संप्रदान कारक और कर्म कारक में अन्तर-

1. संप्रदान कारक - संज्ञा का वह रूप जिससे किसी वस्तु के देने या प्रदान करने का भाव निहित हो सम्प्रदान कारक कहते है। 2. कर्म कारक - जिस वस्तु या व्यक्ति पर क्रिया का सीधा प्रभाव पड़े, उसे कर्म कारक कहते हैं।

4. संबोधन कारक के कारक चिह्न निम्न है- जैसे- ए!, अरे!, शाबाश!, 1. ए रवि! इधर आ।, 2. अरे! कैसे फिसल गए। 3. शाबाश! क्या दौड़ लगाई है।

5. जिस वस्तु से काम होता है। उसे करण कारक कहते है, जैसे- 1. रवि ने पेन से पत्र लिखा। 2. मैंने उसे बेंत से मारा।

(ग) 1. परसर्ग — शब्द के बाद में आने वाले शब्द (का, की, के)

2. विभक्ति — विभाग

3. संबोधन — किसी को पुकारने के लिए शब्द (अरे! हे!)

4. कर्ता — काम करने वाला

5. कर्म — काम

6. क्रिया — कुछ करना।

पाठ - 7 सर्वनाम (Pronoun)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. यह, 2. उन्होने, 3. तुम, 4. वे, 5. हमको

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. असत्य

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (ख), 4. (क)

खण्ड 'ख'

(क) 1. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते है।

2. सर्वनाम के छः भेद होते हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण, जैसे- देखो, दरवाजे पर कोई है।

4. अपमान जताने के लिए 'तू' सर्वनाम का प्रयोग करते हैं।

5. पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं।

(ख) 1. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे- तुम, मैं, आप आदि।

2. सर्वनाम के छः भेद होते है। 1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 1. निश्चयवाचक सर्वनाम, 2. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 3. प्रश्नवाचक सर्वनाम,

4. संबंधवाचक सर्वनाम, 5. निजवाचक सर्वनाम

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम के उदाहरण -

1. देखो, दरवाजे पर कोई है, 2. दूध में कुछ पड़ा है।

4. निश्चयवाचक व अनिश्चयवाचक में अन्तर निम्न है-

1. निश्चयवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चिय व्यक्ति, प्राणी या वस्तु की तरफ इशारें के लिए प्रयोग किये जाते है उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे - यह, वह, ये, वे आदि

2. अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द किसी अनिश्चित वस्तु या व्यक्ति बोध कराते है, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे - कोई, कुछ आदि।

(ग) 1. निश्चय — संकल्प करना,

2. अनिश्चय — जिसका निश्चय न हुआ हो।

3. निज — अपना

4. संबंध — मेल, मिलना

पाठ - 8 विशेषण (Adjective)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (अ), 3. (अ), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. परिमाणवाचक, 2. संज्ञाओं 3. गुणवाचक, 4. से पहले, 5. की संख्या

(ग) 1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. असत्य

(घ) 1. (च), 2. (क), 3. (घ), 4. (ख), 5. (छ), 6. (ग), 7. (ङ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. विशेषण के चार भेद होते है।

2. वाक्य में संज्ञा/ सर्वनाम बहुवचन में है, तो विशेषण बहुवचन में आएगा।

3. संज्ञा और सर्वनाम शब्द दोनो साथ-साथ आए, तो वह सार्वनामिक विशेषण कहलाते है।

4. परिमाणवाचक विशेषण का एक उदाहरण- गिलास में एक पाव दूध हैं।

5. 'पुराना मकान' में 'पुराना' शब्द विशेषण है।

(ख) 1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को उस संज्ञा या सर्वनाम का विशेषण कहते है।

2. जिन व्यक्तियों या वस्तुओं की विशेषताएँ बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते है।

3. विशेषण के भेद सोदाहरण -

1. गुणवाचक विशेषण - आदमी बहुत लम्बा है।

2. संख्यावाचक विशेषण - आज कक्षा में पाँच ही छात्र है।

3. परिमाणवाचक विशेषण - बाल्टी में पाँच लीटर पानी है।

4. सार्वनामिक विशेषण - कोई छत पर खड़ा है।

4. परिमाणवाचक व संख्यावाचक विशेषणों में अन्तर

1. परिमाणवाचक विशेषण - जो शब्द किसी पदार्थ या द्रव्य की माप या तौल का बोध कराते हैं, उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते है।

2. संख्यावाचक विशेषण - संख्या का बोध कराने वाले ये शब्द संख्यावाचक विशेषण कहते है।

5. संख्यावाचक विशेषण - संख्याओं का बोध कराने वाले, ये शब्द

संख्यावाचक विशेषण कहते है। उदाहरण- जंगल में कुछ गायें चर रही है।

(ग) 1. परिमाण — नाप, तौल

2. विशेष्य — विशेषण द्वारा सूचित किया जाने वाला पद या शब्द

3. प्रतीक — किसी तरफ बढ़ाया हुआ

पाठ - 9 क्रिया (Verb)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)

(ख) 1. सकर्मक, 2. जा रहा, 3. चलाना, 4. दौड़ता है,
5. दो

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (ङ), 4. (क), 5. (च), 6. (ख),
7. (ज), 8. (छ)

(घ) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. क्रिया का शाब्दिक अर्थ होता है कर्ता द्वारा किसी कार्य का होना हिन्दी वाक्य में क्रिया एक विकारी शब्द है जिसकी उत्पत्ति मूल धातु शब्द से हुई मानी जाती है जब भी हम किसी मूल धातु शब्द में ना प्रत्यय लगाते है तो वह शब्द क्रिया बन जाती है।

2. क्रिया करने वाला कर्ता कहलाता है।

3. क्रिया दो प्रकार की होती है।

4. सकर्मक क्रिया में कर्म की प्रधानता होती है।

5. अकर्मक क्रिया में कर्म का होना अनिवार्य नहीं है।

(ख) 1. जिन शब्दों से किसी कार्य (काम) के होने या करने का बोध होता है। उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे- पढ़ना, लिखना, हसँना, खाना आदि।

2. क्रिया दो प्रकार की होती है। 1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया।

1. अकर्मक क्रिया - इन क्रियाओं में कर्म नहीं होता अर्थात् यह क्रियाएँ कर्मरहित होती है।

2. सकर्मक क्रिया - इन क्रिया में कर्म का होना पाया जाता है उन्हें सकर्मक क्रिया कहते है।

3. अकर्मक क्रिया के पाँच उदाहरण निम्न है- 1. सूरज निकल रहा है।, 2. गीत नाच रही है। 3. मोहित थक गया। 4. आग लग रही है। 5. रात हो रही है।

4. जिन क्रियाओं में कर्म का होना पाया जाता हैं उन्हें सकर्मक क्रिया कहते है जैसे- हल चलाना, व्यायाम करना, मशीन चलाना।

5. अकर्मक और सकर्मक क्रिया में अन्तर- अकर्मक क्रिया में क्रियाएँ कर्मरहित होती हैं और सकर्मक क्रियाओं में कर्म का होना पाया जाता है।

(ग) 1. कर्ता — काम करने वाला

2. क्रिया — कुछ काम करना

3. बोध होना — जिसका बोध या ज्ञान हो सकता हो;

पाठ - 10 काल (Tense)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (स), 5. (अ)

(ख) 1. गया था, 2. रहा, 3. जायेगी, 4. करोगे, 5. पीया

(ग) 1. (च), 2. (ग), 3. (ख), 4. (ङ), 5. (घ), 6. (क)

(घ) 1. असत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. सत्य, 5. असत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. काल के तीन भेद होते हैं।

2. आने वाले समय को भविष्यत् काल कहते हैं।

3. क्रिया के जिस रूप से उसका चल रहे समय में होने का ज्ञान हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

4. 'मैं नहा रहा हूँ।' इस वाक्य में वर्तमान काल हैं।

5. भूतकाल का एक उदाहरण - 1. रामू ने भैंस को चारा डाल दिया।

(ख) 1. क्रिया के जिस रूप में होने या करने वाले काम के समय की जानकारी मिले, उसे काल कहते हैं, जैसे- खा रहा है, खालिया, खाएगा आदि क्रियाओं के समय।

2. काल के भेद- 1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 2. भविष्यत् काल।

3. व्याकरणिक परिभाषा के अनुसार, क्रिया के जिस रूप से वर्तमान समय में मौजूद कोई स्थिति या किसी घटना के होने का संकेत मिलता है उसे 'वर्तमान काल' कहते है। उदाहरण - रमा दूध पी रही है।

4. क्रिया के जिस रूप से कार्य का बीते हुए समय में होने का बोध हो, उसे भूतकाल कहते है।

5. क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य आगे आने वाले समय में होगा, उसे भविष्यत् काल कहते हैं, उदाहरण- आज बरसात होगी।

(ग) 1. अवधि — सीमा

2. भूतकाल — बीता हुआ समय

3. भविष्यत् काल — आने वाला समय

4. वर्तमान काल — घटना के होने का संकेत

पाठ - 11 समुच्चयबोधक (Conjunction)

खण्ड 'क'

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. या, 2. अथवा, 3. इसलिए, 4. और, 5. ताकि

(ग) स्वयं करों-

(घ) 1. शुद्ध, 2. अशुद्ध, 3. शुद्ध, 4. शुद्ध, 5. शुद्ध,

खण्ड 'ख'

(क) 1. समुच्चयबोधक का दूसरा नाम योजक भी है।

2. 'फल लाओ या कुछ मीठा' इस वाक्य में समुच्चयबोधक 'या' है।

3. 'तुम बाजार जाओगे या मैं जाँऊ।' इस वाक्य में समुच्चयबोधक 'या' है।

4. 'इसलिए' समुच्चयबोधक है।

(ख) 1. दो शब्दों अथवा दो वाक्यों की आपस में जोड़ने वाले चिह्न या शब्द योजक चिह्न अथवा समुच्चयबोधक कहलाती है।

2. समुच्चयबोधक 'और' एवं तथा से एक-एक वाक्य -

1. वन्दना और निर्भय दोनों भाई-बहन हैं।, 2. दादा एवं दादी घूम रहे हैं।, 3. घोड़ा तथा घोड़ी दोनों घास खा रहे है।

3. 'इसलिए', अत: क्योंकि तीनों शब्दों से एक-एक वाक्य- 1. रास्ता टेढ़ा, मेढ़ा है, इसलिए उसे जिग-जैग-के बोलते है। 2. ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट टीम का विश्व में पहला स्थान है क्योंकि वह बहुत अच्छा खेलती है।

4. समुच्चयबोधक की सूची- तथा, एवं, और, पर, इसलिए, किंतु, क्योंकि, तब, तथा, ताकि, चूँकि, अथवा।

5. वे शब्द जो दो शब्द या दो वाक्य को जोड़ने या अलग करने का कार्य करते है इसलिए समुच्चयबोधक का प्रयोग किया जाता है। इसके उदाहरण 1. विकास और मोहन बहुत अच्छे मित्र है। 2. उसने बहुत समझाया लेकिन किसी ने उसकी बात नही मानी 3. मुझे टेपरिकार्डर या घड़ी चाहिए।

(ग) 1. समुच्चयबोधक — समुच्चय का ज्ञान करानेवाला।

2. स्पष्टीकरण — स्पष्ट करना

3. अथवा — या, व

पाठ - 12 विराम-चिह्न (Punctuation)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (द), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

(ख) 1. !, 2. -,-, 3. !, 4. ?, 5. ,

(ग) 1. असत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (ख), 2. (ङ), 3. (क), 4. (ग), 5. (घ)

खण्ड 'ख'

(क) 1. वाक्य पूरा होने पर पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग होता है।

2. प्रश्न पूछे जाने वाले वाक्य में प्रश्नवाचक विराम चिह्न प्रयोग करते है।

3. 'बुध, शुक्र ग्रह है। 'इस वाक्य में सही विराम चिन्ह पूर्ण विराम है।

4. किसी बात की स्पष्ट करने पर छोटा कोष्ठक विराम चिन्ह का प्रयोग करते है।

5. विराम चिन्ह ग्यारह प्रकार के होते है।

(ख) 1. लिखते समय अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए जब हम कोई चिह्न आदि लगते हैं तो उसे हम विराम चिह्न कहते हैं।

2. भाषा में लेखन की शुद्धता के लिए विराम-चिह्नों का बहुत महत्व है इनसे वाक्य या लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने में आसानी होती है। इसके प्रयोग से अर्थ का अनर्थ नहीं होने पाता साथ ही यदि विराम चिह्न के प्रयोग सही से न किया जाए तो भी वाक्य अर्थ हो न और अस्पष्ट या फिर एक दूसरे के विपरीत हो जाता है।

3. स्वयं करों-

4. जब छोटा तथा मझला कोष्ठक लगाने के बाद भी कोष्ठक लगाने की आवश्यकता हो, तब इसका प्रयोग करते हैं। इसका अधिकतर प्रयोग गणित के विषय में होता है। जैसे- $[5 \{3 + (2 - 1)\} \div 2]$

5. अर्द्ध-विराम और पूर्ण विराम में अन्तर स्पष्ट किया-

1. जब दो वाक्यों के मध्य अल्प विराम लगाने से अर्थ में भ्रांति उत्पन्न हो, वहाँ अर्थ-विराम का प्रयोग होता है।

1. वाक्य के मध्य में जहाँ थोड़ा रूकना आवश्यक हो, वहाँ अल्प विराम (,) का प्रयोग किया जाता है।

(ग) 1. अर्द्ध — आधा भाग

2. योजक — मिलाने वाला

3. अल्प — तुच्छ, थोड़ा

2. विराम — विश्राम, अटकाव

पाठ - 13 विलोम शब्द (Antonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (अ)

(ख) 1. सच, 2. अपमान, 3. व्यय, 4.हानि, 5. निराशा

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. विलोम शब्द का दूसरा नाम विपरीतार्थक

2. 'सत्य' शब्द का विलोम 'असत्य' है।

3. 'योग्य' शब्द का विलोम 'अयोग्य' है।

4. 'रूचि' शब्द का विलोम 'अरूचि' है।

5. 'विष' शब्द का विलोम 'अमृत' है।

(ख) 1. जो शब्द किसी अन्य शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।

2. सात विलोम शब्द—

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
ओर	तरफ	खण्ड	अखण्ड
क्रय	विक्रय	चल	अचल
कटु	मृदु	गगन	धरा
कठोर	कोयल		

3. 1. राजू सत्य बोलता हैं, रामू असत्य बोलता हैं।

2. यह फल मीठा है, यह फल खट्टा है।

3. मेज के ऊपर गिलास है, मेज के नीचे गिलास हैं।

4. प्रकट - गुप्त, आकश - पाताल, सफल - विफल, प्रेम - घृणा

(ग) 1. दयालु ? कृपालु

2. अनिष्ठ ? अशुभ

3. गुलामी ? गुलाम होने की अवस्था

4. क्रूर ? निर्दय

5. अवनति ? झुकाव

6. अनेकता ? विविधता

(घ) 1. (घ), 2. (ङ), 3. (च), 4. (छ), 5. (ख) 6. (ग) 7. (क)

पाठ - 14 पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. राशि, 1. पुष्प, 1. रवि, 1. पावक

2. राकेश, 2. कुसुम, 2. प्रभाकर, 2. अग्नि

(ग) 1. सत्य, 2. सत्य, 3. असत्य, 4. असत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (घ) 2. (छ) 3. (च) 4. (ड.) 5. (ग) 6. (ख) 7. (क)

खण्ड 'ख'

(क) 1. पर्यायवाची शब्द का दूसरा नाम समानार्थी शब्द है।

2. 'हाथी' शब्द का पर्यायवाची 'गज, कुंजर' है।

3. हाँ 'मेहमान' और 'आगंतुक' परस्पर पर्यायवाची है।

4. 'शाम' शब्द का पर्यायवाची 'संध्या' है।

5. 'हर्ष' शब्द का पर्यायवाची खुशी है।

(ख) 1. कुछ शब्दों के अर्थ समान होते हैं, उन्हें पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहते हैं।

2. 1. सागर - जलधि, सिंधु, वारिधि

2. शिष्य - छात्र, विद्‍यार्थी, शिक्षार्थी

3. शिक्षक - अध्यापक, आचार्य, गुरू।

3. राजा, मेहमान व शाम शब्दों के पर्यायवाची के वाक्य—

1. राजा - नृप अपनी प्रजा की रक्षा करता है।

2. मेहमान - आज हमारे यहाँ अतिथि आयेगे।

3. शाम - मोहन संध्या को घर आयेगा।

4. 'कमल' शब्द के पर्यायवाची के वाक्य

1. मोहन के पास एक 'सरोज' है।

2. सीमा एक पंकज का फूल लाई है।

5. खुशी।

(ग) 1. ज्योत्स्ना — चन्द्रमा का प्रकाश

2. अश्व — घोड़ा

3. सरोज — कमल

4. लोचन — नेत्र

5. गिरि — पर्वत

6. सलिल — पानी

पाठ - 15 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)

(ख) 1. पढ़ाकू, 2. दयालु, 3. छात्रों, 4. चित्रकला 5. पुस्तकालय

(ग) 1. असत्य 2. सत्य, 3. सत्य, 4. सत्य, 5. सत्य

(घ) 1. (ङ), 2. (च), 3. (घ), 4. (ग), 5. (ख) 6. (क)

खण्ड 'ख'

(क) 1. अनेक शब्दों को वाक्यांश कहते है।

2. अनेक शब्दों के लिए प्रयुक्त एक शब्द भाषा की आर्कषक और प्रभावशाली बना देते है।

3. जिसका कोई आकार न हो, उसे निराकार कहते है।

4. जो परीक्षा में सफल हो, उसे उत्तीर्ण कहते है।

5. हमेशा कड़वा बोलने वाले को कटुभाषी कहते है।

(ख) 1. जब किसी वाक्य में प्रयुक्त या स्वतन्त्र किसी वाक्यांश के लिए किसी एक शब्द का प्रयोग किया जाता है, जो उस वाक्यांश के अर्थ को पूरी तरह सिद्ध करता हो तो उसे वाक्यांश के लिए एक शब्द कहते है। प्रयुक्त करना ही वाक्यांश के लिए एक शब्द कहलाता है।

2. वाक्यांश के लिए एक शब्द, एक वाक्य का अर्थ रखते है। हिन्दी में कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक विचारों की अभिव्यक्ति के लिए वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग बहुउपयोगी होता है। ऐसे शब्दों को अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द भी कहा जाता है।

3. वाक्यांशों के एक शब्द लिखो—

1. जिसका अंत ने हो— अनंत
2. जिसका कोई इलाज न हो— असाध्य
3. जो जीवनभर हो— आजीवन
4. जो थोड़ा जानता हो— अल्पज्ञ
5. जो नष्ट होने वाला— नश्वर।

4. श्रोता - जो सुनने वाला हो।

सदाचारी - जो अच्छे आचरण वाला हो।

सर्वज्ञ - जो सब जानने वाला हो।

एकांत - जहाँ कोई दूसरा न हो।

5. वाक्यांश के लिए एक शब्द, एक वाक्य का अर्थ रखते हैं, हिन्दी में कम से

कम शब्दों में अधिक से अधिक विचारों की अभिव्यक्ति के लिए वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग बहुउपयोगी होता है।

(ग) 1. वाक्यांश - वाक्य का प्रयोग

2. सारांश - सारा भाग

3. उचित - ठीक

4. प्रभावपूर्ण - जो प्रभाव से भरा हुआ हो

5. सहपाठी - साथ पढ़ने वाला

6. आस्तिक - इश्वर में विश्वास करने वाला

पाठ - 16 शुद्ध-अशुद्ध (Correct-Incorrect)

खण्ड 'क'

(क) 1. (अ), 2. (द), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ)

6. (स), 7. (द), 8. (द), 9. (ब), 10. (ब)

(ख) 1. (घ), 2. (ग), 3. (ख), 4. (क), 5. (ङ)

(ग) 1. आप कहाँ जा रहे हो? 2. मेरे पास तीन किताब है।

3. मेरे पिताजी यहाँ आए थे। 4. उसका घर अधिक दूर नहीं है।

5. पिताजी ने छोटे बच्चों को आशीर्वाद दिया।

6. मोहन कल दिल्ली जा रहा है। 7. आप अपने घर जाओ।

8. मैं आज बीमार हूँ। 9. जाओ गुरुजी से पूछो।

10. हमें भी पढ़ने दो।

खण्ड 'ख'

(क) 1. 'सामाजिक' शब्द का शुद्ध रूप 'सामाजिक' है।

2. 'बाणी' का शुद्ध शब्द 'वाणी' है।

3. 'प्रभू' शब्द की शुद्ध रूप में 'प्रभु' कहते है।

4. 'मोन' शब्द का शुद्ध रूप 'मौन' है।

5. 'हम जयपुर गया'। इस वाक्य में शुद्ध प्रयोग 'गया-गए' शब्द का है।

(ख) 1. शुद्ध और अशुद्ध शब्द वह होते है। जो हर भाषा में वर्तनी को लिखने का एक तरीका होता है और लिखते-लिखते हम से कई प्रकार की गलतियाँ भी होती है। इनमें से कई त्रुटियाँ तो इतनी प्रचलित हो जाती हैं कि उन्हें ही सही मान लिया जाता है। सही तरह से लिखा गया शब्द शुद्ध है और वर्तनी में गलती अशुद्ध है।

2. पाँच शुद्ध शब्दों के वाक्य—

1. तुलसीदास बहुत अच्छे कवि है।

2. पिताजी ने उस बच्चे को आशीर्वाद दिया।

3. यह मिठाई अच्छी है।

4. तुम छत के ऊपर मत जाओ।

5. मैं परीक्षा में पास हुआ था।

3. हम बोलने तथा लिखने में कभी-कभी बहुत बड़ी-बड़ी अशुद्धियाँ कर देते है। जो देखने में छोटी लगती है। इसलिए उन्हें शुद्ध किया जाता है। जैसे—तिथी-तिथि, गनित-गणित, अकार-आकार।

4. 1. बिमार - बीमार - मोहन बहुत बीमार है।

2. शरीरिक - शारीरिक - इस नृत्य में शारीरिक गति का विशेष महत्व होता है।

3. सप्तह - सप्ताह - इस सप्ताह में विद्यालय नहीं गया।

4. ग्रमीण - ग्रामीण - ग्रामीण जीवन सादगीपूर्ण होता है।

5. शुद्ध उच्चारण ही भाषा-विशेष के ज्ञान का प्रथम चरण है हिन्दी भाषा उन्नति के पथ पर अग्रसर हो रही है तथा इसके राष्ट्रभाषा के पद पर आसीन होने के बाद इसका महत्व और भी बढ़ा गया है। अतएव इसे शुद्ध समृद्ध बनाने हेतु उच्चारण की शुद्धता की तरफ ध्यान देना परमावश्यक है।

(ग) 1. अनुग्रह - कृपा

2. मौका - अवसर

3. वाणी - वचन, बात

4. अधीन - अश्रित

5. मौन - न बोलना

6. पृथक - अलग

पाठ - 17 मुहावरे (Idioms)

खण्ड 'क'

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ), 5. (अ)

(ख) 1. टाँग अड़ाते, 2. डींग नहीं, 3. जान की बाजी लगा, 4. चकमा देकर 5. कान पकड़े।

(ग) 1. (च), 2. (ङ), 3. (घ), 4. (ग), 5. (क) 6. (ख)

(घ) 1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. 'काम आना' का अर्थ 'शहीद होना' है।

2. ‘हाथ पसारना’ का अर्थ ‘माँगना’ है।

3. ‘मैदान मारना’ का अर्थ ‘शत्रु को हराना’ है।

4. ‘मुँह लगाना से आप अत्यधिक संपर्क रखना है।

5. ‘धाक जमाना’ का अर्थ ‘रंग जमाना’ है।

(ख) 1. मुहावरे का अर्थ उसके शब्दों से नहीं, बल्कि वाक्यांश के एक विशिष्ट अर्थ से होता है।

2. मोहन तो पास होने के लिए पूरा ‘किताबी कीड़ा हो गया है।

3. सुरेश को अच्छे अंक पाने पर पुरूस्कार मिला इसलिए उसका ‘अंग-अंग मुस्करा उठा।

4. छक्के छुड़ाना - हराना, चल बसना - मर जाना, चकमा देना - भाग जाना

5. रंग में भग डालना - बाधा डालना

राह देखना - प्रतीक्षा करना

हवा से बाते करना - बहुत तेज दौड़ना

(ग) 1. मुँह लगाना - बहुत अधिक संपर्क रखना

2. धाक जमाना - रोब डालना

3. हाथ-पाँव मारना - कोशिश करना

4. पहाड़ टूटना - मुसीबत आना

5. राह देखना - प्रतीक्षा करना

6. टाँग अड़ाना - बाधा खड़ी करना।

पाठ - 18 कहानी-लेखन (Story Writing)

खण्ड ‘क’

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ), 5. (स)

(ख) 1. भाव, 2. आभूषणों, 3. सोने 4. उलटा-सीधा 5. लालच

(ग) 1. (ङ), 2. (क), 3. (ख), 4. (ग), 5. (घ)

(घ) 1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. सत्य

खण्ड ‘ख’

(क) 1. जो-जो मुख्य घटनाएँ आएँ, उन्हें ध्यान में रखिए।

2. कहानी-लेखन में सभी प्रकार की घटनाओं को एक लय में लेते जाए। जिससे रोचकता का क्रम न बिगड़े।

3. बंदर दाढ़ी बनाने के कार्य की नकल कर रहा था।

4. देवी, मेरी इच्छा है कि मेरे पास सोना-ही-सोना हो।

5. धनीराम के छूने से बहुत-सी वस्तुएँ सोने की हो गई। जैसे-टी०वी० कूलर, पंखे, मेज-कुर्सी, तस्वीरे, सजावट का सामान, पेड़-पौधे और फूल और उसकी बेटी भी छूने से सोने की हो गयी।

6. नकल करने की वजह से जैसे उसने रेजर को अपने मुँह पर फिराया तो नए ब्लेड की वजह से रेजर बहुत तेज हो रहा था बंदर को रेजर चलाना नहीं आया। उसका सारा मुँह कट गया और चेहरे पर खून ही खून बहने लगा।

(ख) 1. **शेर और चूहा**

पेड़ के नीचे एक शेर सोया हुआ था। तभी अचानक एक चूहा शेर के पास आया वह शेर के शरीर पर दौड़ने लगा। इससे शेर की नींद टूटी। उसे बहुत गुस्सा आया। उसने चूहे को कसकर पकड़ लिया। चूहे ने शेर से माफी माँगी और कहाँ मुझे छोड़ दो। मैं भी कभी तुम्हारी मदद जरूर करूँगा। यह एक वादा उसने शेर से किया। और शेर ने हँसकर उसे छोड़ दिया कुछ दिनों बाद शेर एक शिकारी के जाल में फँस गया। चूहे ने शेर को जाल में फँसा देखा उसने तुरंत अपने दोस्तों को बुलाया। और सभी चूहों ने मिलकर जाल को कुतर दिया। आखिर, चूहे ने शेर को जाल से आजाद किया।

2. **एकता में बल**

एक राजा के चार पुत्र थे। वह चारों बहुत आलसी थे। आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे। राजा ने उन्हें बहुत समझाया। लेकिन व्यर्थ। एक दिन उसे अपने चारों पुत्रों को अपने पास बुलाया तथा राजा ने टहनियाँ मगवाई। वे टहनियाँ ले आए। और एक-एक टहनी अपने चारों पुत्रों के हाथ में दे दी और कहाँ इन्हें तोड़ों तो पुत्रों ने टहनियाँ तोड़ी तो वह टूट गई। फिर राजा ने दूसरी टहनियों का बंडल दिया। और तोड़ने को कहा पुत्रो ने बहुत बल लगाया परन्तु बंडल को तोड़ने का खूब प्रयत्न किया पर वह नहीं टूटा। तब राजा ने समझाया कि ''अगर तुम इन लकड़ियों की तरह इकट्ठे रहोगे तो तुम्हारा कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता अगर तुम अकेले रहोगे तो लोग तुम्हें नष्ट कर देंगे।

पाठ - 19 पत्र-लेखन (Letter Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. ( ), 3. (अ), 4. (अ), 5. (स)

(ख) 1. दो, 2. व्यवसाय, 3. निवेदन 4. नमस्ते, प्यार 5. कुशल-मंगल

(ग) 1. (ग), 2. (घ), 3. (ख), 4. (क)

(घ) 1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. सत्य

खण्ड 'ख'

(क) 1. पत्र, चिट्ठी या खत किसी कागज या अन्य माध्यम पर लिखे सन्देश को कहते है। उन्नीसवी एवं बीसवीं शताब्दियों में पत्र ही दो व्यक्तियों के बीच संचार का सबसे विश्वसनीय माध्यम था।

2. पत्र-लेखन की भाषा सरल, सुबोध, विषयानुकूल होनी चाहिए।

3. स्वयं करो।

4. व्यावसायिक पत्र लेखन की रीति इसके नीचे पत्र पाने वाले व्यक्ति का नाम, पद या संस्था का नाम होता है। इसके बाद बायी ओर ही 'प्रिय महोदय' आदि सम्बोधन होता है। व्यावसायिक युग में अभिवादन का प्रयोग नहीं हुआ करता है। इसके बाद पत्र का मूल भाग होता है।

5. संबोधन में व्यक्तियों के लिए महोदय/महोदया का प्रयोग होता है पत्र का मुख्य भाग अर्थात् कलेवर अत्यंत महत्वपूर्ण है इसमें विषय से संबंधित विचारों को क्रमिक रूप से लिखा जाता है।

(ख) खण्ड 'अ' - स्वयं करो।

खण्ड 'ब' - स्वयं करो।

(ख) खण्ड - 'अ'

1. अपने मित्र को जन्मदिन की बधाई का पत्र लिखिए।

पता

दिनांक : —/—/—

प्रिय मित्र (नाम),

तुम्हें जन्मदिन कि बहुत-बहुत बधाई। मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई की तुम इस बार अपना जन्मदिन बहुत अच्छे ढंग से मना रहे हो। अगर परीक्षा सर पर ना होती तो मैं अवश्य तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हारे साथ होता। आशा करता हूँ कि तुम्हारे अगले जन्मदिन पर मैं तुम्हारे साथ ही रहूँ।

पुनः तुम्हें जन्म-दिन की हार्दिक बधाई।

तुम्हारे जन्मदिन पर मे ना आ सका

इसका मुझे खेद रहेगा।

अपने माता-पिता जी को मेरा चरण स्पर्श कहना

अन्य छोटे व बड़ों को उचित अभिवादन।

शेष मिलने पर

अभिन्न मित्र

(अपना नाम)।

2. अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

सेवा में,

श्री प्रधानाचार्य जी,

सूर्य पब्लिक स्कूल

(मेरठ)

विषय — अवकाश हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि कल मैं विद्यालय से घर जाते समय वर्षा में भीग गया था जिसके कारण मुझे तेज बुखार हो गया है मैं विद्यालय आने में असमर्थ हूँ।

कृपया मुझे दिनांक 12/5/23 की अवकाश प्रदान करने की कृपा करे।

दिनांक ....

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

नाम - राकेश

कक्षा - 10th

पाठ - 20 निबंध-लेखन (Essay Writing)

खण्ड 'क'

(क) 1. (द), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (स)
6. (अ) 7. (ब) 8. (स) 9. (स) 10. (द)

खण्ड 'ख'

(क) 1. निबंध की रचना करना अपने-आप में एक कला है। निबंध का अर्थ है- 'अच्छी तरह से बाँधना, निबंध का आरंभ विषय की भूमिका से होता है। शैन: शनै: विषय की विस्तृत करते जाते है। मध्य की स्थिति तक लगभग सभी महत्वपूर्ण बातें या विचार प्रकट कर दिए जाते है।

2. निबंध की रचना करते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।
   1. जिस विषय पर निबंध की रचना करते है, उसके विषय में पहले भरपूर जानकारी एकत्र कर लेनी चाहिए।
   2. चुने गए विषय की सामग्री को क्रमबद्ध करना चाहिए।
   3. भाषा सरल, सरल व स्पष्ट होनी चाहिए।
   4. विषय को रोचक बनाने के लिए उदाहरणों व एक-दो कहावती का भी उपयोग करना चाहिए।

5. अंत में पूरे विषय का संक्षिप्त सार लिखना चाहिए, जिसे निबंध का उपसंहार भी कहते है।

3. समाचार-पत्र बहुत ही शक्तिशाली यंत्र है जो व्यक्ति के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को विकसित करता है। यह लोगों और संसार के बीच वार्ता का सबसे अच्छा साधन है।

4. पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते थे। और बच्चे भी उन्हें चाचा नेहरू कहते थे उनके जन्मदिन की प्रत्येक वर्ष 'बाल दिवस' (14 नवंबर) के रूप में मनाया जाता है।

5. वातावरण का प्रदूषित होना ही प्रदूषण कहलाता है। यह मुख्य रूप से तीन प्रकार का होता है—

   1. जल प्रदूषण 2. वायु प्रदूषण 3. ध्वनि प्रदूषण

6. ध्वनि प्रदूषण से होने वाली हानियाँ जैसे- चिड़चिड़ापन एवं आक्रमकता के अतिरिक्त उच्च रक्तचाप तनाव हानिकारक प्रभाव पड़ते है। जिससे हानियाँ होती है।

7. 1. जल प्रदूषण से अनेक पादपो एवं जन्तुओं का विनाश होता है।
   2. जलीय जन्तुओं को आक्सीजन की कमी।
   3. प्रदूषित जल से सिचाई करने पर फसलों का नाश।

8. 1. वायु के प्रभाव में कोई प्राणी जीवित नहीं रह सकता।
   2. शुद्ध वायु में ही हम साँस लेते हैं।
   3. कल-कारखानों की चिमनियों से निकलने वाले धुएँ से वायुमंडल प्रदूषित हो रहा है।
   4. वायु प्रदूषण को रोकने के लिए अधिकाधिक पेड़ लगाने चाहिए।
   5. पॉलीथीन की थैलियों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
   6. वायु प्रदूषण से मानव अनेक प्रकार के रोगों का शिकार हो रहा है।

   9. स्वतंत्रता दिवस प्रति वर्ष 15 अगस्त को मनाया जाता है।

   10. हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू थे।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध की रचना कीजिए।

दीपावली

प्रस्तावना– दीपावली भारत का एक प्रमुख त्यौहार है। दीपावली को दीप का त्यौहार भी कहा जाता है। दीपावली का त्यौहार भारत में और अन्य कई देशों में बहुत ही धूम-धाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान श्री राम रावण की पराजित करके और अपना चौदह साल का वनवास काटकर लौटे थे। इस खुशी के

कारण वहाँ के सभी लोग दिए जलाते है। तब से लेकर अब तक हर वर्ष इस दिन को दीपावली के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है।

दीपावली का त्यौहार हर साल अक्टूबर या नवंबर माह में मनाया जाता है दीपावली आने से कुछ दिन पहले लोग इस त्यौहार को मनाने में लग जाते है। दीपावली के दिन लोग अपने दुकाने, घर, स्कूल, दफ्तर आदि को दुल्हन की तरह सजाते हैं। रंग-बिरंगी लाइटे दिये मोमबत्ती से पूरा भारत जगमगाता है। दीपावली का त्यौहार करीब पाँच दिनों तक का होता है। यह खुशियों का त्यौहार है। इस पर्व पर लोग नए कपड़े खरीदते है देवी लक्ष्मी जी और भगवान गणेश जी की पूजा करते है। घर-घर में स्वादिष्ट मिठाईयाँ बनवाई जाती है। लोग अपने पड़ोसियों दोस्ती और रिश्तेदारी में मिठाई और गिफ्ट देते है।

दीपावली का त्यौहार हमें एकता और भाईचारों का अमूल्य संदेश देता है।